त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 114

जबलपुर, शुक्रवार 22 मई 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

केरल की 16वीं विधानसभा का सत्र शुरू नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

केरल की 16वीं विधानसभा का सत्र शुरू, नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल विधानसभा की 16वीं विधानसभा की पहली बैठक गुरुवार सुबह नौ बजे यहां विधानसभा परिसर में शुरू हुई, जिसमें नवनिर्वाचित विधायकों ने अस्थायी अध्यक्ष जी. सुधाकरन की देखरेख में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। विधायकों को वर्णक्रम के अनुसार शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन, विपक्ष के नेता पिनराई विजयन तथा सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ), वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सदस्य उपस्थित थे। वर्ष 2026 केरल विधानसभा चुनाव के बाद नयी विधानसभा के गठन को औपचारिक रूप देने के लिए यह बैठक आयोजित की गयी। बैठक शुरू होने से पहले सत्तापक्ष के वरिष्ठतम विधायक जी. सुधाकरन ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से शपथ लेने के बाद अस्थायी अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और अन्य वरिष्ठ नेताओं के उनसे पहले शपथ लेने को लेकर चल रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि उनकी ऐसी बहसों में कोई रुचि नहीं है और वह सभी विधायकों को समान दृष्टि से देखते हैं। नयी विधानसभा की पहली बैठक केवल शपथ ग्रहण के लिए बुलाई गई थी। सदन की शुक्रवार को पुन: बैठक होगी, जिसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर का अभिभाषण 29 मई को होगा, जबकि अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा एक से तीन जून तक चलेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित तीन विधायक राजीव चंद्रशेखर, वी. मुरलीधरन और बी. बी. गोपाकुमार पलायम स्थित शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद विधानसभा पहुंचे। भाजपा ने अपने विधायकों के शपथ ग्रहण को केरल की राजनीति में पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए राज्यभर में समारोह आयोजित करने की भी योजना बनायी है। भाजपा के केरल प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन वर्ष 2026 विधानसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने वाले प्रमुख भाजपा नेताओं में शामिल हैं। श्री बी. बी. गोपाकुमार की चथन्नूर से जीत कोल्लम जिले में भाजपा की पहली विधानसभा सीट मानी जा रही है। इस बीच, भाजपा ने शुक्रवार को होने वाले अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए चथन्नूर विधायक बी. बी. गोपाकुमार को अपना उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया है।

गुमला में दर्दनाक सड़क हादसा: पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, तीन युवकों की मौत

गुमला , एजेंसी। झारखंड के गुमला जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा चैनपुर थाना क्षेत्र के डढ़गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे आम के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान उजड़ा गांव निवासी अक्षय केरकेट्टा (19 वर्ष), आर्यन टोप्पो (18 वर्ष) और संजीत केरकेट्टा (18 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात समारोह से लौटते समय डढ़गांव के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे पेड़ से जा भिड़ी। पुलिस के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी और तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि तेज गति और लापरवाही इस हादसे की मुख्य वजह बनी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सब-इंस्पेक्टर धर्मपाल संतोष लगून ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और शवों को कब्जे में लिया। गुरुवार सुबह कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया गया। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

बिहार में मुठभेड़: एक बदमाश को लगी गोली, दो पुलिसकर्मी घायल

पटना, एजेंसी। बिहार के किशनगंज जिले में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, वहीं दो पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के फरीगोला रेलवे फाटक के समीप चौहान बस्ती में हुई। घायल बदमाश की पहचान कटिहार जिले के रौतारा निवासी पवन कुमार उर्फ चिंटू के रूप में हुई है, जो बाइक चोरी गिरोह का सदस्य है। इस कार्रवाई के दौरान सदर थाना के अवर निरीक्षक नीतीश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और डीआईओ प्रभारी सह इंस्पेक्टर मुश्ताक आलम को आंशिक चोटें आईं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अंतरराज्यीय गिरोह के बदमाश किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के इरादे से चौहान बस्ती में इकट्ठा हुए हैं। तकनीकी इनपुट के आधार पर जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो अपराधी भागने की फिराक में थे। पुलिस ने जब उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो पवन कुमार ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल पुलिसकर्मियों और बदमाश को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक बाइक, एक पिस्टल और चले हुए कारतूस का खोखा बरामद किया है। बिहार में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का कड़ा अभियान लगातार जारी है और हाल के दिनों में मुठभेड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं। किशनगंज की वारदात से पहले, समस्तीपुर में पुलिस ने सीएसपी लूट और छिनतई के आरोपी प्रिंस नाम के बदमाश को मुठभेड़ में घायल किया था। वहीं पटना में भी कैश वैन से 27 लाख रुपये की लूट के मुख्य सरगना नीतीश कुमार और शिक्षक से लूटपाट करने वाले संदीप उर्फ बादल को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके अतिरिक्त सीवान जिले में भी ज्वेलरी लूटकांड में शामिल अंकित सिंह नाम के एक अन्य बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो चुकी है। किशनगंज मामले में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई और मामले में आगे की कानूनी जांच जारी है।

थाईलैंड का 93 देशों पर चाबुक: वीजा नियमों में बदलाव से भारतीयों की मुश्किल बढ़ेगी

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड ने 93 देशों के पर्यटकों के लिए अपनी वीजा-मुक्त प्रवेश नीति में बड़ा बदलाव किया है, इससे भारतीय सहित कई देशों के यात्रियों को अब कम समय के लिए ही थाईलैंड में रुकने की अनुमति मिलेगी। यह निर्णय बैंकॉक में कैबिनेट की मंजूरी के बाद लिया गया, जिसमें 60-दिन की वीजा छूट को वापस लेने का फैसला हुआ है। यह छूट जुलाई 2024 में महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिसमें अमेरिका, इजरायल, दक्षिण अमेरिका और यूरोप के शेंगेन ज़ोन जैसे क्षेत्र शामिल थे। नई व्यवस्था के तहत, सरकार अब एक स्तरीय प्रणाली पर लौटेगी, जहां अधिकांश देशों के लिए वीजा-मुक्त प्रवास सीमा 30 दिन की जाएगी, जबकि कुछ देशों के नागरिकों के लिए यह अवधि घटाकर 15 दिन कर दी जाएगी।

थाईलैंड सरकार के प्रवक्ता रचादा धनादिरेक ने कहा कि मौजूदा 60-दिन की योजना का कई लोगों द्वारा गलत फायदा उठाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन थाईलैंड की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। थाई अधिकारियों ने स्वीकार किया कि 60-दिन की छूट ने अनजाने में कुछ कमियां पैदा कर दी थीं, जिससे अवैध ग्रे-मार्केट कारोबार, बिना अनुमति के काम करने वाले विदेशी मजदूरों और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई। सरकार अब 30-दिन की सीमा को वास्तविक और उच्च-मूल्य वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त मानती है। यह नीतिगत बदलाव कई हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों के बाद आया है, जहां विदेशी नागरिक नशीले पदार्थ, मानव तस्करी और बिना अनुमति के स्थानीय कारोबार चलाने में शामिल पाए गए। विदेश मंत्री सिहासाक फुंगकेटकेओ ने कहा कि यह कदम किसी विशेष राष्ट्रीयता के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन व्यक्तियों को लक्षित करता है जो कानून से बचने के लिए वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं।

इस बदलाव का भारतीय पर्यटकों पर सीधा असर होगा। जो भारतीय थाईलैंड में लंबे समय तक रुकने की योजना बना रहे थे, वे अब बिना वीजा के 30 दिनों से अधिक नहीं रुक पाएंगे। यह उन लोगों के लिए झटका है जो पहले अलग-अलग द्वीपों पर घूमने में दो महीने तक का समय बिताते थे। भारत से थाईलैंड की मजबूत हवाई कनेक्टिविटी, कम खर्च और पहले की आसान वीजा नीति भारतीय पर्यटकों के लिए फायदेमंद रही है। अब भारतीय यात्रियों को आगे की यात्रा या वापसी के टिकट और होटल बुकिंग का सबूत दिखाने के लिए कहा जा सकता है, और इमिग्रेशन जांच भी पहले से कड़ी हो सकती है।

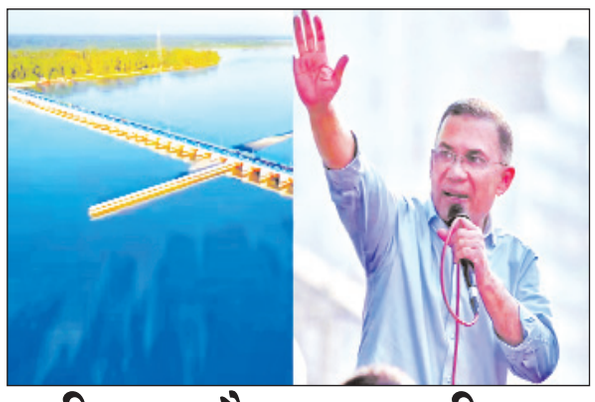

तीस्ता और पद्मा नदी पर बैराज बनाएगा बांग्लादेश

चीन ने कर दी फंडिंग, भारत की बढ़ेगी चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने देश में जल संकट को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए तीस्ता और पद्मा नदी पर बहुप्रतीक्षित बैराज परियोजनाओं के निर्माण का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने ढाका के पास गाजीपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी सरकार इन दोनों मेगा प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। प्रधानमंत्री तारिक रहमान जून के अंत में चीन के दौरे पर जाने वाले हैं, जहां इस बैराज परियोजना की फंडिंग को लेकर बीजिंग के साथ विस्तार से बातचीत होने की उम्मीद है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने हाल ही में बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। बांग्लादेश अपनी इस परियोजना को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत आगे बढ़ाना चाहता है। देश के जल संकट का जिक्र करते हुए बांग्लादेशी पीएम ने कहा कि सूखे के मौसम में देश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। उन्होंने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज के कारण बांग्लादेश के दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है, जिससे सुंदरबन के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करने के लिए बांग्लादेश को यह बैराज बनाना ही होगा ताकि सूखे के मौसम में किसानों को पानी मिल सके। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल बंटवारा संधि की मियाद इसी साल दिसंबर (2026) में खत्म हो रही है, जिसे रिन्यू करने के लिए बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता जल बंटवारा समझौता पश्चिम बंगाल सरकार के विरोध के कारण 2011 से ही अटका हुआ है। बांग्लादेश के इस कदम और परियोजना में चीन की एंट्री ने नई दिल्ली की रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है, क्योंकि तीस्ता नदी का यह क्षेत्र भारत के बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के करीब है। यह संकरा रास्ता पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है।

ट्रंप का दावा : चीन ईरान को नहीं दे रहा हथियार, मिडिल ईस्ट में शांति चाहता है बीजिंग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि चीन ईरान को हथियारों की सप्लाई नहीं कर रहा है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब मिडिल ईस्ट में तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बना रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन दौरे से लौटने के बाद ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी शी जिनपिंग के साथ मिडिल ईस्ट की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि बीजिंग ईरान को किसी भी प्रकार के हथियार नहीं भेज रहा है। ट्रंप ने कहा कि यह सकारात्मक संकेत है और उन्हें चीन की बात पर विश्वास है। ट्रंप ने कहा कि चीन भी मिडिल ईस्ट में शांति चाहता है, क्योंकि उसकी बड़ी तेल जरूरतें इसी क्षेत्र पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि यदि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है तो इसका सीधा असर तेल आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल किसी एक देश का रास्ता नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर आरोप लगाते हुए कहा कि तेहरान लंबे समय से समुद्री रास्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए करता रहा है। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे खाड़ी देश भी ईरान से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में हैं। ट्रंप ने दावा किया कि हालिया तनाव के दौरान ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ईरान की अधिकांश मिसाइलें नष्ट हो चुकी हैं और उसकी नौसेना तथा वायुसेना काफी कमजोर हो गई है। हालांकि उन्होंने माना कि ईरान के पास अभी भी सीमित जवाबी क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य निर्माण केंद्रों को निशाना बनाया है, जिससे उसकी नई सैन्य तैयारी करने की क्षमता कमजोर हुई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका अतिरिक्त सैन्य कार्रवाई के करीब पहुंच गया था, लेकिन क्षेत्रीय सहयोगी देशों ने कूटनीतिक प्रयासों को मौका देने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया कि किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि ईरान परमाणु शक्ति बनता है तो इससे सबसे बड़ा खतरा इजराइल और पूरे मिडिल ईस्ट की सुरक्षा को होगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र में लंबे समय तक संघर्ष जारी रहता है तो तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है और दुनिया भर में ईंधन संकट पैदा हो सकता है। इसका असर खाद्य आपूर्ति और वैश्विक बाजार पर भी पड़ेगा।

ईरानी तेल टैंकर की हेलीकॉप्टर से घेरकर ली तलाशी

ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की बड़ी कार्रवाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए ईरानी ध्वज वाले एक तेल टैंकर की घेराबंदी की और उस पर चढ़कर सघन तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह तेल टैंकर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी का खुलेआम उल्लंघन करते हुए एक ईरानी बंदरगाह की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस सैन्य ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि मरीन एक्सपीडेशनरी यूनिट के जांबाज मरीन कमांडो ने सेलेशियल सी नाम के इस तेल टैंकर को बीच समुद्र में रोका। करीब 120 मीटर लंबे इस विशालकाय वाणिज्यिक जहाज पर हेलीकॉप्टर की मदद से अमेरिकी सैनिक उतरे और पूरे जहाज का कोना-कोना खंगाला। विस्तृत जांच और तलाशी अभियान पूरा होने के बाद जहाज को तो छोड़ दिया गया, लेकिन अमेरिकी सेना ने उसके चालक दल (क्रू) को तुरंत अपना समुद्री रास्ता बदलने का सख्त आदेश जारी किया। अमेरिका का साफ कहना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रैट) और उसके आसपास के संवेदनशील समुद्री इलाकों में ईरान से जुड़े संदिग्ध जहाजों पर बेहद कड़ी नजर रख रहा है। अमेरिकी नौसेना की यह बड़ी कार्रवाई ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने खाड़ी देशों के विशेष अनुरोध के बाद ईरान पर नए सैन्य हमले की योजना को फिलहाल टाल दिया है और बातचीत का रास्ता खुला रखा है।

होर्मुज पर ईरान का शिकंजा: 24 घंटे में 26 जहाजों के संचालन का दावा, दुनिया पर मंडराया ऊर्जा और खाद्य संकट

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ और मजबूत करने का दावा किया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि पिछले 24 घंटों के दौरान जलडमरूमध्य से गुजरने वाले 26 जहाजों का संचालन उसकी निगरानी और अनुमति के तहत कराया गया। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार आईआरजीसी ने साफ तौर पर कहा है कि अब इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले किसी भी जहाज की आवाजाही उसके समन्वय के बिना संभव नहीं होगी। ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने इसके साथ ही नया समुद्री नक्शा जारी करते हुए कई हिस्सों को 'नियंत्रित समुद्री क्षेत्र' घोषित कर दिया है। इन क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले सभी जहाजों को पहले ईरानी प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। इस फैसले को अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते सैन्य एवं राजनीतिक टकराव के बीच ईरान की बड़ी रणनीतिक कार्रवाई माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। दुनिया के कुल समुद्री तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार का तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। ईरान की इस सख्ती के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है, जबकि कई देशों ने वैकल्पिक समुद्री मार्गों और आपूर्ति व्यवस्थाओं पर काम शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। तेहरान ने पहले ही होर्मुज जलडमरूमध्य में निगरानी बढ़ाने और कई हिस्सों में नाकेबंदी जैसे कदम उठाए थे। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों और तेल निर्यात पर नए प्रतिबंध लगाकर आर्थिक दबाव बढ़ा दिया। हालात ऐसे बन गए हैं कि खाड़ी क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता भी बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा खिंचता है तो अगले 6 से 12 महीनों में दुनिया गंभीर खाद्य और ऊर्जा संकट की चपेट में आ सकती है। संगठन के मुताबिक तेल आपूर्ति प्रभावित होने से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर खाद्यान्न कीमतों और वैश्विक सप्लाई चेन पर पड़ेगा। विकासशील देशों में महंगाई और खाद्य संकट की स्थिति और गंभीर हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि होर्मुज में जारी तनाव केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। यदि आने वाले दिनों में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव कम नहीं हुआ तो दुनिया को एक बड़े आर्थिक और मानवीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

स्कूल छोड़ने वालों की पढ़ाई फिर शुरू कराएगी सरकार

एमपी में शिक्षा घर योजना मंजूर, ड्रॉपआउट छात्रों को दोबारा स्कूल से जोड़ा जाएगा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को दोबारा शिक्षा से जोड़ने के लिए ह्यशिक्षा घर योजनाह्न शुरू करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इस योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। अब स्कूल शिक्षा विभाग इसी सत्र से योजना को लागू करने की तैयारी करेगा। यह फैसला मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा बैठक में लिया गया।

कक्षा 8 के बाद पढ़ाई छोड़ने वालों को मिलेगा लाभ : अधिकारियों ने बैठक में बताया कि योजना का लाभ उन किशोर-किशोरियों और युवक-युवतियों को मिलेगा, जिन्होंने कक्षा 8 या उससे आगे की पढ़ाई के दौरान अनुत्तीर्ण होने पर पढ़ाई छोड़ दी थी। योजना के जरिए ऐसे विद्यार्थियों को फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

ड्रॉपआउट दर कम करने पर रहेगा फोकस : सरकार का उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों की संख्या कम करना है। योजना लागू होने से शिक्षा से दूर हुए विद्यार्थियों को दोबारा पढ़ाई का अवसर मिलेगा।

पाठ्यक्रम में शामिल होगी सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी : बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाठ्यक्रम से जुड़ी प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा।

घोषणाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश : मुख्यमंत्री ने विभागीय घोषणाओं का जल्द पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से समयबद्ध कार्ययोजना बनाने को कहा। वहीं, स्कूल भवनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने जिलों में आंशिक रूप से जर्जर स्कूलों की तत्काल मरम्मत कराने को कहा।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और बेहतर शिक्षण व्यवस्था प्राथमिकता है। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग की 14 योजनाओं को जारी रखने की सहमति दी। अधिकारियों को इनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए गए।

स्वच्छता सर्वेक्षण: CMO ने रात में बाजार में की कार्रवाई

10 दुकानदारों पर लगाया जुमार्ना, गंदगी न फैलाने और दुकानों में डस्टबिन रखने की अपील

रायसेन। रायसेन नगर पालिका ने स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के तहत कमर कस ली है। इसी क्रम में बुधवार देर रात नगर पालिका की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (उटड) सुरेखा जाटव ने टीम के साथ पीछे बाजार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी फैलाने वाले 10 दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सीएमओ सुरेखा जाटव के साथ स्वच्छता निरीक्षक शशिकांत और स्वच्छता सर्वेक्षण टीम मौजूद थी। टीम ने दुकानदारों को अपनी दुकानों के सामने गंदगी न करने और कचरा सड़क पर न फेंकने की समझाइश दी। जांच में ऐसे 10 दुकानदार पाए गए जिनकी दुकानों में डस्टबिन नहीं थे और वे कचरा दुकान के सामने सड़क पर फेंक रहे थे। इस पर नगर पालिका ने इन दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की। सभी व्यापारियों को अपनी दुकानों में डस्टबिन रखना अनिवार्य करने के निर्देश भी दिए गए। सीएमओ सुरेखा जाटव ने कहा कि नगर पालिका के कर्मचारी सुबह से देर रात तक शहर में सफाई कर रहे हैं। कचरा वाहन भी नियमित रूप से मोहल्लों और बाजारों में पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद कुछ लोग घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा सड़क पर फेंक रहे हैं, जिससे शहर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में जिन घरों और दुकानों के सामने कचरा पाया जाएगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने शहरवासियों से स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर पालिका का सहयोग करने और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में अपनी भागीदारी निभाने की अपील भी की। नगर पालिका के अनुसार, स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी के तहत एक टीम शहर में घर-घर और दुकानों पर जाकर लोगों से फीडबैक भी ले रही है।

भोपाल के होटल में घुसकर तलाशी का आरोप

लव जिहाद के शक में पहुंचे कार्यकर्ता, भानु हिंदू समेत 10 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर

भोपाल। भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी रोड के श्री बालाजी होटल में घुसकर तलाशी लेने के आरोप में पुलिस ने कुछ हिंदू संगठन से जुड़े लोगों पर केस दर्ज किया है। होटल संचालक राजकुमार वर्मा की शिकायत पर भानू हिन्दू, रावी और अन्य 10 से 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। राजकुमार वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 मई की शाम करीब 4 बजे वे होटल पर मौजूद नहीं थे। इसी दौरान भानू हिन्दू, रावी और उनके साथ 10 से 15 लोग होटल पहुंचे। सभी लोगों ने होटल कर्मचारियों से कहा कि होटल में एक हिंदू महिला को मुस्लिम युवक लेकर आया है। इसी शक के आधार पर वे होटल की तलाशी लेंगे।

होटल का सामान अस्त-व्यस्त किया : होटल कर्मचारी ने जब उनसे तलाशी लेने के अधिकार के बारे में पूछा, तब भी समूह होटल के कमरों की जांच करने लगा। इस दौरान होटल का सामान भी अस्त-व्यस्त कर दिया गया। शिकायत में कहा गया है कि होटल के खुले कमरों की जांच की गई, लेकिन वहां कोई आपत्तिजनक नहीं मिला। घटना के दौरान आसपास बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए।

होटल संचालक राजकुमार वर्मा का कहना है कि इस घटनाक्रम से होटल की छवि और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने पुलिस को होटल के उउळश फुटेज भी सौंपे हैं। कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैतूल कलेक्टर ने शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

बैतूल। बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने गुरुवार को शहर का विस्तृत भ्रमण कर निमार्णाधीन और प्रस्तावित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गंज शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सदर बाजार, बस स्टैंड, पुरानी जिला जेल और करबला क्षेत्र का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सोनवणे ने गंज सब्जी मंडी पहुंचकर निमार्णाधीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की प्रगति जानी। उन्होंने इसे तय समय-सीमा में पूरा करने और मंडी की दुकानों को व्यवस्थित तरीके से स्थानांतरित करने की कार्ययोजना पर चर्चा की। हाल ही में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद जनसुनवाई में व्यापारियों की शिकायतें मिली थीं। इसी के मद्देनजर कलेक्टर ने करबला के पास गल्ला और सब्जी मंडी के लिए उपयुक्त जमीन का निरीक्षण भी किया। **बस स्टैंड और पुरानी जेल परिसर का लिया जायजा :** शहर भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने पुरानी जिला जेल परिसर और कृषि विभाग की जमीन का भी अवलोकन कर विकास की संभावनाओं पर अधिकारियों से चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने सदर बाजार और बस स्टैंड क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। इन क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था, पार्किंग और व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. सोनवणे ने जिला अस्पताल पहुंचकर नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (ठक्ठव) का निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड में भर्ती नवजात बच्चों की देखभाल, उपलब्ध सुविधाओं और चिकित्सा प्रबंधन की विस्तृत जानकारी ली।

भोपाल में रोज 81 लोग डॉग बाइट के शिकार

5 साल में साढ़े 8 करोड़ रुपए खर्च; फिर भी बढ़ी घटनाएं

भोपाल। भोपाल में हर रोज 81 लोग डॉग बाइट के शिकार हो रहे हैं। डॉग्स की नसबंदी और वैक्सीनेशन पर नगर निगम पांच साल में करीब साढ़े 8 करोड़ रुपए खर्च कर चुका है। बावजूद डॉग बाइट की घटनाएं बढ़ गई हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन भोपाल में इसका पालन आसान नहीं दिख रहा। शहर में करीब 1.20 लाख आवारा कुत्ते हैं, लेकिन नगर निगम के पास एक भी स्थायी डॉग शेल्टर नहीं है। नगर निगम के अनुसार हर रोज 15 शिकायतें मिल रही हैं। जेपी और हमीदिया अस्पताल में डॉग बाइट के शिकार बच्चे और बुजुर्ग पहुंच रहे हैं।

इन इलाकों में ज्यादा खतरा : अशोका गार्डन, अयोध्या बायपास, पिपलानी, कोहेफिजा, शाहजहांनाबाद, करोंद, मीनाल रेसीडेंसी, पटेल नगर, छोला, बैरागढ़, लालघाटी-हलालपुर रोड, रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी और न्यू मार्केट के आसपास रात में कुत्तों के झुंड सबसे ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। कई जगह फुटपाथों पर कुत्तों के डेरों के कारण पैदल निकलना मुश्किल हो रहा है।

600 कुत्तों की क्षमता, डॉग सवा लाख : जानकारी के अनुसार नगर निगम के पास फिलहाल अरवलिया, आदमपुर छावनी और कजलीखेड़ा में तीन एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर हैं। तीनों की कुल क्षमता सिर्फ 600 कुत्तों की है। यहां रोज 20 से 25 कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण हो रहा है। ये सेंटर केवल नसबंदी के लिए हैं, जबकि कोर्ट के निर्देश के मुताबिक स्थायी डॉग शेल्टर एक भी नहीं है।

पेट्रोल पंपों के ड्राय होने की स्थिती, 50% मशीनें बंद

लोगों की लगी कतारें; लंबी दूरी तय करने वालों की बढ़ी परेशानी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में पेट्रोल-डीजल संकट के हालात लगातार गहराते नजर आ रहे हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पंप संचालकों ने एहतियातन करीब 50 प्रतिशत मशीनें बंद कर दी हैं। इसका सीधा असर आम वाहन चालकों पर पड़ रहा है। पेट्रोल भरवाने के लिए लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं कई पेट्रोल पंपों के ड्राय होने से पैनिक जैसी स्थिति बनती जा रही है। बुधवार रात को शहर के पुलिस पेट्रोल पंप पर स्थिति सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आई। यहां चार मशीनों में से केवल दो पाइंट चालू रखे गए थे, जिसके चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी लाइन लग गई। कई लोगों को घंटों इंतजार के बाद पेट्रोल-डीजल मिल सका। इसी तरह सोसायटी पेट्रोल पंप सहित शहर के अन्य प्रमुख पंपों पर भी हालात लगभग समान रहे। अचानक सप्लाई प्रभावित होने और कई पंपों पर स्टॉक सीमित होने से लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं। इससे भीड़ और बढ़ती जा रही है।

लंबी दूरी तय करने वालों पर ज्यादा असर : सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है जो रोजाना लंबी दूरी तय करते हैं या जिले से बाहर यात्रा पर निकल रहे हैं। वाहन चालकों में इस बात को लेकर चिंता बनी हुई है कि रास्ते में पेट्रोल पंपों पर ईंधन मिलेगा या नहीं। कई लोग अतिरिक्त पेट्रोल भरवाकर रख रहे हैं।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मप्र राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन

भोपाल। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया गया है। इससे व्यापारी समुदाय के कल्याण के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने और प्रदेश के निर्यात को बढावा मिल सकेगा। समिति में मंत्री औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और मुख्यमंत्री द्वारा नामित अधिकतम 10 सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव/ सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वाणिज्यिक कर, वित्त, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, लोक निर्माण, खनिज साधन, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा, पशुपालन एवं डेयरी, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, विमानन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन विभाग और सीईओ, राज्य नीति आयोग, क्षेत्रीय प्रमुख-भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय अधिकारी-नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, वरिष्ठ प्रबंधक-भारतीय कन्टेनर निगम, सीजीएम-नाबार्ड, शाखा प्रबंधक-ईसीजीसी, एक्जीम बैंक, क्षेत्रीय प्रमुख-एपिडा, आयुक्त-एफएसएसएआई, सीईओ-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन आधिकारिक-सदस्य होंगे। सीईओ-अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, संचालक-आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी को संस्था के पदेन सदस्य और राज्य प्रमुख-सीआईआई, फिक्की, फिओ, डिक्की, लघु उद्योग भारती एवं अन्य राज्य स्तरीय व्यापार समिति तथा संघ को शीर्ष चेम्बर्स से पदेन सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कापोर्रेशन, भोपाल को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। अध्यक्ष की अनमुति से मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकेगा। जिला स्तरीय समिति (डी.एल.सी) के गठन एवं कार्य क्षेत्र का निर्धारण सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तावित कर समन्वय में अनुमोदन के बाद किया जायेगा।

एमपी में जानवरों को लू से बचाने कूलर-ग्रीन नेट लगाए

मोबाइल पर 6 जिलों में हीटवेव का इमरजेंसी अलर्ट; खजुराहो में टेम्परेचर रिकॉर्ड 47 .4 डिग्री पार

भोपाल। मध्य प्रदेश में गर्मी लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। नौतपा शुरू होने से पहले ही कई शहर भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। खजुराहो 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर बन गया है। तेज धूप और तपन के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। राजधानी भोपाल में भी गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है। यहां तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि इंसानों के साथ अब जानवर भी गर्मी से बेहाल होने लगे हैं। वन विहार नेशनल पार्क में जानवरों को राहत देने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। शेर, बाघ और तेंदुओं के हाउस में कूलर, पर्दे और ग्रीन नेट लगाए गए हैं, जबकि बाड़ों में लगातार पानी भरा जा रहा है। वहीं भीषण गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। सतना, रीवा, मैहर, टीकमगढ़, निवाड़ी और छतरपुर जिलों में इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया है। लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश भेजकर धूप से बचने, जरूरी सावधानी बरतने और बिना जरूरत बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

रीवा : 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है अधिकतम तापमान : रीवा में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) के अनुसार गुरुवार को शहर में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दे रही है और लोग घरों में रहने को मजबूर हैं।

मंडला : नौतपा से पहले ही भीषण गर्मी : मंडला जिले में नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी पड़ रही है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक था। गुरुवार दोपहर 1 बजे तापमान 42 डिग्री के पार चला गया है।

शाजापुर: गर्म होकर बंद हो जा रहे मोबाइल फोन : शाजापुर में भीषण गर्मी का दौर जारी है। आज सुबह से ही सूरज का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। दोपहर 1 बजे इतनी गर्मी है कि मोबाइल भी हीट मार रहा है। हमने शहर के गर्मी के हालात दिखाने के लिए मोबाइल निकाला और वीडियो शूट करना शुरू किया। कुछ ही मिनट बाद मोबाइल ने काम करना बंद कर दिया। कुछ देर बाद छाया में खड़े होने के बाद मोबाइल सामान्य हुआ, लेकिन दोबारा शूट करने पर फिर से बंद हो गया। मौसम विभाग ने पारे में लगातार बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। यहां के रामप्रसाद सोलंकी ने बताया, आईफोन जैसे मोबाइल भी अधिक गर्म होकर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। कई बार फोन हीट होने के कारण बंद हो जाते हैं या उनकी स्पीड धीमी हो जाती है।

सागर में भीषण गर्मी, चक्कर खाकर गिरी महिला : सागर में भीषण गर्मी है। दिन का तापमान 44-45 डिग्री के बीच है। लू और झुलसाने वाली गर्मी से लोग बेहाल हैं। गुरुवार को गर्मी के बीच बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही महिला चक्कर खाकर गिर गई। लोगों ने देखा तो महिला को संभाला। डायल 112 की मदद से महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला ने अपना नाम राधा यादव बताया है। वह रजाखेड़ी से अपने मायके तालचिरी जा रही थी।

ग्वालियर- सबसे ज्यादा सिग्नल पर खड़े होने में परेशानी : ग्वालियर में सबसे ज्यादा परेशानी लोगों को सिग्नल पर खड़े होने में हो रही है। सिग्नल के आसपास लोग छांव तलाशते नजर आ रहे हैं। कोई पेड़ के नीचे तो कोई आसपास की छांव में खड़ा दिखाई दे रहा है। शहर में तापमान 42 से 43 डिग्री के बीच बना हुआ है। वहीं अंचल के कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों का कहना है कि शहर में सिग्नलों के आसपास प्याऊ की व्यवस्था नहीं है, जिससे प्यास लगने पर भी पानी नहीं मिल पाता।

सिंगरौली में 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा : सिंगरौली जिले में लगातार तापमान बढ़ रहा है। यहां हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट जारी है। दोपहर 12 बजे के बाद गर्मी और बढ़ गई, जिससे सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। दोपहर 1 बजे तक तापमान 42 डिग्री दर्ज किया गया।

रीवा में सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवा से लोग बेहाल : रीवा में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) के अनुसार गुरुवार को शहर में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी और लोग घरों में रहने को मजबूर रहे। पढ़ें पूरी खबरङ्घ

रतलाम में भास्कर का रियलिटी चेक, पानी इतना गर्म कि हाथ जलने लगे : रतलाम में भीषण गर्मी के बीच पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया है। सुबह 10 बजे के बाद तेज धूप और गर्मी से लोग परेशान हैं। दोपहर 12 से 3 बजे के बीच छतों पर रखी टंकियों का पानी भी बेहद गर्म हो रहा है। रात तक पानी गर्म बना रहता है। भास्कर रिपोर्टर ने थमार्मीटर से रियलिटी चेक किया, जिसमें पानी काफी गर्म मिला। पानी में हाथ डालते ही जलन महसूस होने लगी।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिये शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने के निर्देश

अनमोल पोर्टल पर एएनसी रजिस्ट्रेशन दर्ज नहीं करने वाले निजी अस्पतालों को नोटिस दें-कलेक्टर

108 एम्बुलेंस से निजी अस्पतालों में मरीजों को ले जाने की शिकायतों पर करें कठोर कार्यवाही

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला स्वास्थ्य समिति की आज गुरूवार को संपन्न हुई बैठक में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य संस्था के प्रभारी अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह ने बैठक में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का न सिर्फ रजिस्ट्रेशन किया जाये बल्कि उनका नियमित फॉलोअप भी हो। श्री सिंह ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की देखभाल पर विशेष ध्यान देने की हिदायत भी चिकित्सा अधिकारियों को बैठक में दी। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, जिला अस्पताल में पदस्थ सभी स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह, सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में स्वास्थ्य संस्थावार और विकासखंडवार एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए यह आवश्यक है कि जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीयन हो और उनका नियमित चेकअप भी किया जाये। कलेक्टर ने उन क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने पर जोर दिया जहां गर्भवती महिलाओं का पंजीयन अपेक्षाकृत कम है। श्री सिंह ने प्रत्येक एएनसी पंजीयन की अनमोल पोर्टल पर एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ताकि गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओ और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की ट्रेकिंग और प्रबंधन आसान हो। उन्होंने ऐसे निजी अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी करने कहा जो एएनसी रजिस्ट्रेशन को अनमोल पोर्टल में दर्ज नहीं कर रहे हैं। बैठक में पोषण पुनर्वास केंद्रों में बेड ऑक्यूपेंसी बढाने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही एसएनसीयू (विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई) में भर्ती किये गये बच्चों के उपचार और प्रबंधन की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने मातृ एवं शिशु मृत्यु के मामलों में मृत्यु के कारणों का विश्लेषण करने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जाये जहां मातृ एवं शिशु मृत्यु के मामले अपेक्षाकृत अधिक हैं, ताकि वहां जरूरी कदम उठाये जा सकें और लोगों में जागरूकता पैदा की जा सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राज्य शासन के निदेर्शानुसार जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला पोषण समिति की माह में कम से कम दो बार संयुक्त बैठक आयोजित की जाये। उन्होंने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक से अनुपस्थित रहने पर उखरी एवं संजय नगर स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सक तथा सुपरवाइजर का एक माह का वेतन रोकने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने 108 एम्बुलेंस द्वारा मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाने की प्राप्त शिकायतों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि 108 एम्बुलेंस से मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाने तथा एम्बुलेंस के देर से पहुंचने की शिकायतों को दर्ज करने के लिए अलग से दूरभाष नंबर स्थापित किया जाये। प्रसूति सहायता योजना सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं से संबंधित सीएम हेल्पलाईन से प्राप्त शिकायतों का आवेदकों की संतुष्टि के साथ त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश भी बैठक में दिये गये। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को टीम गठित कर ग्रामीण क्षेत्र की ऐसी स्वास्थ्य संस्थाओं का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश कलेक्टर श्री सिंह ने दिये जहां गर्मियों के दौरान पेयजल आपूर्ति में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा भी की गई। आंगनवाड़ी केन्द्र से निकले बच्चों को प्राथमिक शालाओं में भर्ती कराने की दिशा में हुई प्रगति का ब्यौरा लिया गया। इसके साथ ही टेक होम राशन के नियमित वितरण के निर्देश दिये गये तथा बच्चों के फेशियल रिकगनिशन सिस्टम में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने उचित स्तर पर कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने सिहोरा बाल विकास परियोजना की परियोजना अधिकारी को आंगनवाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी बैठक में दिये।

विश्व कल्याण हेतु भगवान दत्तात्रेय के वैदिक मंत्रों से अग्नि देव को अर्पित की आहूति

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी जबलपुर में प्रथम बार श्री दत्त भजन मंडळ गोलबाजार द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य मे आयोजित पांच दिवसीय दत्तयाग का शुभारंभ हुआ। प्रातःकाल मे नांदीश्राद्ध, पुण्याहवाचन, मातृका पूजन से यज्ञपूर्व प्रक्रिया शुरू हुई, उसके पश्चात मंडप पूजन, ऋग्वेद-अथर्ववेद-यजुर्वेद-सामवेद द्वारपूजन के साथ साथ कलश-पूजन करने के पश्चात अरणी द्वारा अग्नी को प्रज्वलित किया गया। यज्ञ में अरणी द्वारा अग्नि

प्रज्वलन (अरणी मंथन) एक प्राचीन वैदिक प्रक्रिया है, जिसमें दो विशेष लकड़ियों (अरणी) को आपस में रगड़कर (मंथन) घर्षण द्वारा अग्नि उत्पन्न की जाती है, यह अग्नि यज्ञ के लिए सबसे पवित्र और शुद्ध मानी जाती है, तथा यही प्रत्यक्ष अग्निदेवता कहलाती है। अरणी से प्राप्त अग्नी को यज्ञकुंड मे प्रस्थापित किया गया. दुसरे चरण मे क्षेत्रपालपीठ, नवग्रहपीठ, योगिनीपीठ, वास्तुपीठ दत्तात्रेय देव पूजन होने के बाद मुख्य यजमान सौ. माधुरी सुनील नाजवाले सहयजमान अभय गोरे, सुधीर नाईक, विनायक सरवटे, श्रीराम मुठे, डॉ. बीके पानसे, अविनाश भावे, महेश कवीश्वर, जस्टिस प्रकाश नावलेकर, डॉ. जितेन्द्र जामदार, नितिलाक्ष देसाई द्वारा सपत्नीक यज्ञवेदी पर उपस्थित होकार विश्व कल्याण के लिए सभी ने आहुती अर्पण की गई. यज्ञ के यज्ञाचार्य ऋत्विजत्व वेदमूर्ती कृष्णशास्त्री आर्वीकर, नागपूर, पंडित गणेश नारायण पाळंदे वाराणसी, तथा महाराष्ट्र ब्रह्मवृंद समाज द्वारा किया गया। यज्ञ मे विजय भावे, शरद आठले, अनिल राजूरकर, अश्विनी परांजपे, मुरलीधर पाळंदे, विश्वनाथ वैद्य, स्नेहा आठले, मनीषा भावे, चित्रा ताम्हनकर, रंजना वर्तक, अर्पणा राजूरकर, नितीन देसाई सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त जनों की उपस्थिति रही।

23 मई को बिरसिंगपुर ताप विद्युत गृह का दौरा करेंगे विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारत सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल 23 मई को मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर के एक दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता, संचालन व्यवस्था और गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। दौरे के दौरान विद्युत सचिव ताप विद्युत गृह के उत्पादन प्रदर्शन का अवलोकन करेंगे। साथ ही कोयला सैंपलिंग, परीक्षण प्रक्रिया और प्रयोगशाला व्यवस्थाओं की समीक्षा कर गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े कार्यों का जायजा लेंगे। पंकज अग्रवाल वरिष्ठ अभियंताओं और अधिकारियों के साथ बैठक कर विद्युत उत्पादन, तकनीकी दक्षता और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी चर्चा करेंगे। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस दौरे को कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि संजय गांधी ताप विद्युत गृह के अभियंता और कर्मचारी लगातार समर्पण और तकनीकी दक्षता के साथ बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्युत सचिव का यह भ्रमण विद्युत गृह की उपलब्धियों और गुणवत्ता आधारित कार्यप्रणाली को प्रदर्शित करने का अच्छा अवसर होगा।

उवैस अंसारी हज के लिए रवाना

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

उवैस अंसारी गुरुवार को हज-ए-मुकद्दस की अदायगी के लिए सऊदी अरब रवाना हुए। इस मौके पर उनके निवास पर मुबारकबाद देने मुस्लिम समाज एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से इस्तकबाल कर उन्हें रुख्सत किया। इस दौरान सईद कूलर, जमा खान, जफ्फर खान, अरशद खान, अमीन खान, मजहर रईन, साजिद खान, अशरफ अंसारी, तनवीर अंसारी, फैसल अंसारी, आबिद खान, माहिर अंसारी मौजूद रहे।

जैन मुनियों को सड़क में सुरक्षा देने एसपी को दिया ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आचार्य 108 विद्यासागर महाराज की शिष्या 105 आर्यिका रत्न श्री माताजी 105 उपशम मति माताजी को बुधवार सुबह रीवा कलेक्टर कार्यालय के पास जंगल से शौच क्रिया कर वापस लौटते समय लापरवाह वाहन चालक व्दारा टक्कर मार देने के कारण वह काल - कवलित हो जाने से पूरा समूचे जैन समाज आहत है और रोष गुस्से से भरा है। जैन समाज के लिए यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसी घटना यह पहली बार नहीं है पहले भी ऐसी घटनाएं घट चुकी हैं और प्रदेश सरकार साधु संतों की सुरक्षा में क्यों कंजूसी भारत रहा है घटना के दोषियों लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग मुनियों जैन, साधुओं और साध्वियों के पदयात्रा पद बिहार के दौरान संपूर्ण सुरक्षा की मांग मध्य प्रदेश दिगंबर जैन परिषद की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन कुमार जैन के नेतृत्व में एसपी संपत उपाध्याय से जैन समाज का एक प्रतिनिधि मंडल मिला और ज्ञापन सौंपकर पद बिहार के दौरान उनकी सुरक्षा की मांग की। एसपी ने जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया किया है कि वह सुरक्षा के इंतजाम अवश्य करेगे। प्रतिनिधि मंडल में परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन कुमार जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ संदीप जैन, जिला अध्यक्ष डॉ चंद्रेश जैन, राजकुमार जैन मामा, पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर शिवनगर के उपाध्यक्ष अभिषेक जैन विक्की, एडवोकेट प्रवीण जैन, विकास चौधरी, सचिन जैन, जिन शासन मंडल के श्रेयस जैन, सुनील सेठिया, सौरभ जैन सोरु, एडवोकेट दर्शित जैन लकी जैन शामिल रहे।

स्व. राजीव गांधी को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में ज्योति टॉकीज नौदरा ब्रिज स्थित स्व. राजीव गांधी जी की प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, मनोज नामदेव, पार्षद गुड्डू नबी, झल्लेलाल जैन, विवेक अवस्थी, सबरजीत सिंह रील, भगत राम सिंह, अनुराग गढ़वाल, राकेश विश्वकर्मा, इमरान खान, रीतेश नोतलानी, रीतेश बंटी गुप्ता, श्वेता सैमूएल, मौनिका सिंह, अशोक यादव, राकेश चक्रवर्ती, रिजवान अली कोटी, एड. हाजी अयाज खान, प्रवींद्र चौहान, अरुण पावर, श्याम कोरी, केशव नारायण कोरी, अलकेश गुप्ता, सिद्धांत जैन, राकेश दीवान, रवि शर्मा, विकास जाट, अनिल गुप्ता सहित अनेक कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश यादव, जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने संगोष्ठी में कहा कि आधुनिक भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के कार्यों एवं संघर्षों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं, ऐसे समय में समस्त कांग्रेसजनों को एकजुट होकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आना होगा। संगोष्ठी सभा का संचालन मनोज नामदेव द्वारा किया गया। अंत में स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

जबलपुर से प्रयागराज तक इंटरसिटी चलाओ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं अनुसूचित जाति-जनजाति सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पश्चिम मध्य रेल जोन के महाप्रबंधक के माध्यम से भारत सरकार के रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जबलपुर से प्रयागराज तक इंटरसिटी अथवा जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन शीघ्र प्रारंभ किए जाने की मांग की गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि जबलपुर से उत्तरप्रदेश एवं बिहार की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को लंबे समय से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई एवं दक्षिण भारत से आने वाली अधिकांश ट्रेनें अत्यधिक भीड़भाड़ वाली रहती हैं, जिससे यात्रियों को आरक्षण नहीं मिल पाता तथा सामान्य यात्रियों को भी यात्रा में परेशानियां उठानी पड़ती हैं। मोर्चा ने मांग की है कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जबलपुर से प्रयागराज तक नई इंटरसिटी अथवा जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन प्रारंभ की जाए। साथ ही पूर्व में संचालित मंडुआडीह/बनारस-जबलपुर साप्ताहिक ट्रेन, जिसे रेलवे द्वारा बंद कर दिया गया है, उसे भी पुनः प्रारंभ किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय वालों में संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा संयोजक रामरतन यादव, घनश्याम यादव, इंद्र कुमार कुलस्ते, एडवोकेट अनुराग सिंह ठाकुर, भोला कोरी, देवेंद्र यादव, आकाश यादव, एडवोकेट मिथलेश मालवीय सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी उपस्थित रहे।

8 दिवसीय हृदय रोगी बालिका को एयर एम्बुलेंस से मुंबई किया एयरलिफ्ट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन पर शहडोल जिले की 8 दिवस की बालिका बेबी आयुषी रुक्मणी दहिया, जो गंभीर जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित है, को गुरुवार शाम 4:00 बजे एयर एम्बुलेंस के माध्यम से उन्नत उपचार हेतु मुंबई स्थित नारायणा हॉस्पिटल एयरलिफ्ट किया गया। बालिका के परिजनों द्वारा जबलपुर आरबीएसके प्रबंधक सुभाष शुक्ला से संपर्क किया गया, जिसके उपरांत उनके द्वारा तत्काल मेडिकल कॉलेज जबलपुर के पीडियाट्रिक हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप जैन से समन्वय स्थापित कर बालिका की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। इसके पश्चात शहडोल जिले की आरबीएसके प्रबंधक श्रीमती कंचन पटेल एवं नारायणा हॉस्पिटल मुंबई से संपर्क कर समस्त आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कराई गई। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना एवं पीएमजेएवाई के अंतर्गत समन्वय स्थापित कर गुस्वार को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से बालिका को सुरक्षित रूप से मुंबई के लिए एअर लिफ्ट किया गया। इस दौरान जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विनीता उप्पल, डीईआईएम सुभाष शुक्ला, सुश्री श्रीया अवस्थी, विकास श्रीवास्तव तथा आरबीएसके टीम से धवल त्रिवेदी एयरपोर्ट पर उपस्थित रहे तथा परिजनों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

इस्लाम में गाय की हत्या करना नाजायज और दण्डनीय अपराध : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

मुस्लिम शासकों ने गाय की हत्या पर लगाया था प्रतिबंध

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बाबरी मस्जिद -श्रीराम जन्म भूमि मामले के पूर्व वाली(मुद्देई) इकबाल अंसारी का हाल ही में एक बयान आया है जिसमें उन्होंने मुसलमानों से अपील करते हुते यह कहा है कि-हम भारतीय मुसलमान हैं हमें गाय का सम्मान करना चाहिये, इतना ही नहीं उन्होंने मुसलमानों से यह भी अपील की है कि-बकरीद पर गाय को काटना इस्लाम के उसूलों के विरुद्ध है। उपरोक्त बयान और अपील के संदर्भ में विश्व हिन्दू परिषद् के केंद्रीय मार्गदर्शक मण्डल के सदस्य, मध्यप्रदेश गो संवर्द्धन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं तपोनिधि निरञ्जनी अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि का कहना है कि- जनाब इकबाल अंसारी ने बिल्कुल सही कहा है और पैगम्बर मुहम्मद साहब ने भी हुक्म फमार्या है-गाय अबोल प्राणी है उसका

बन करना इस्लाम में हराम है। श्री इकबाल अंसारी ने मुसलमानों से अपनी अपील में यह स्पष्ट है कि-बकरीद पर गाय का बंध करना गम्भीर अपराध है, श्री अंसारी की मुसलमानों से अपील इस्लाम के उसूलों के अनुकूल है। गाय(सम्पूर्ण गोवंश) हम भारतीयों की जीवन रेखा है। अपनी लाइफ लाइन के साथ छेड़खानी और उसका अपमान करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

गो हत्यारे का सर कलम करने का हुक्म जारी किया

स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने अपने बयान में जोरदार शब्दों में यह कहा है कि- मुसलमानों की वर्तमान नवोदित पीढ़ी को यह मालूम होना चाहिये कि- "इस्लामिक हूकूमत के दौरान मुसलमान शासकों ने जिसमें अकबर, बाबर, हुंमायुं, हैदर तथा औरंगजेब तक के नामों का उल्लेख है, सभी ने गाय की हत्या पर प्रतिबंध ही नहीं लगाया बल्कि गो हत्यारे का सर कलम कर देने का हुक्म जारी किया। यहां उल्लेखनीय यह है कि-इस्लामिक हुकूमत के दौरान सभी मुस्लिम शासकों ने अपने -अपने हुकूमतें दौर सख्त हुक्मनामे जारी किये थे (गाय के बध पर रोक लगाते थे)।

गो हत्यारे के दोनों हाथ काट दिये जाय : टीपू सुल्तान नामक शासक ने अपने हुक्मनामे में आंशिक संशोधन यह कर दिया था कि-गो हत्यारे का सर कलम करने के बजाय गो हत्यारे के दोनों हाथ काट दिये जायें जिन हाथों ने गो बध जैसा क्रूर और जघन्य अपराध किया है। स्वामी जी ने कहा कि हम अंसारी महाशय के इस बयान का समर्थन करते हैं जो उन्होंने यह कहा है कि- गाय को भारत सरकार "राष्ट्रीय संरक्षणीय प्राणी" घोषित करे राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर ऐसी घोषणा करें, उनसे यही अपेक्षा है।

संपादकीय

तकनीक की तरक्की और ठगी का जाल

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती।इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है।मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं।पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी।जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।पिछले कुछ समय से खासतौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं।हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ-साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

अंग्रेजों के दीवाने थे राजा राम मोहन रॉय

वे लोग जिन्होंने जंजीरें बुनीं और उन्हें गहना समझा

ब्रिटिश सरकार संस्कृत शिक्षा-सरकारी धन बंद करे और उसके स्थान पर पश्चिमी विज्ञान और अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दे

उस सोच ने भारत को जितना नुकसान पहुँचाया, शायद उतना किसी बाहरी दुश्मन ने भी नहीं

आज 22 मई है। राजा राममोहन राय की जयंती। उन्हें आधुनिक भारत का जनक कहा जाता है-यह उपाधि पाठ्य-पुस्तकों में स्वर्णाक्षरों में लिखी है। जयंती पर उनकी जयकार करना आसान है और परंपरा भी यही है। पर आज इस जयंती के बहाने एक और बात करनी है। बात उन लोगों की जो देशद्रोही भले न रहे हों, पर जो अंग्रेज, अंग्रेजी और अंग्रेज़ियत के ऐसे दीवाने थे कि उनकी यह दीवानगी एक पूरे राष्ट्र और सभ्यता पर भारी पड़ गई। आज बात उस सोच की है जो राममोहन राय में थी, पर उनमें अकेले नहीं थी। वह सोच एक पूरी मानसिकता थी-एक वर्ग की, एक युग की। और उस सोच ने भारत को जितना नुकसान पहुँचाया, शायद उतना किसी बाहरी दुश्मन ने भी नहीं।

हीनभावना-अपनी सभ्यता, अपनी भाषा, अपने ज्ञान के प्रति : अंग्रेजों ने भारत को तलवार से नहीं जीता। तलवारें तो थीं, पर वे काफी नहीं थीं। किसी भी साम्राज्य को टिके रहने के लिए सिर्फ.सैनिकों की नहीं, मानसिकता की जरूरत होती है–ऐसे लोगों की जो शासक की भाषा में सोचें, उसकी संस्कृति को श्रेष्ठ मानें, और अपनी जड़ों को खुद ही काटने लगें। अंग्रेजों को ऐसे लोग भारत में मिले। भरपूर मिले।

इन्हें आप गद्दार शायद नहीं कह सकते – किंतु इतना सरल नहीं है यह मामला। ये वो लोग थे जो अपने आप को प्रगतिशील समझते थे। ये अंग्रेजी पढ़े-लिखे थे, तर्क करते थे, समाज-सुधार की बात करते थे। पर इनके दिमाग में एक गहरी दरार थी। वह दरार थी हीनभावना की–अपनी सभ्यता, अपनी भाषा, अपने ज्ञान के प्रति। यह हीनभावना इतनी गहरी थी कि वे सफेद चमड़ी को सिर्फ. चमड़ी नहीं, श्रेष्ठता का प्रमाण मानने लगे थे। जो अंग्रेज बोले, वह सत्य। जो अंग्रेजी में लिखा हो, वह ज्ञान। जो संस्कृत में हो, वह अंधविश्वास। जो भारतीय हो, वह पिछड़ा।

गवर्नर जनरल को लिखा था पत्र : 11 दिसंबर 1823 को राजा राममोहन राय ने एक पत्र लिखा। पता था – गवर्नर जनरल लॉर्ड एमहर्स्ट। विषय था–भारत में शिक्षा का भविष्य। उस पत्र में उन्होंने माँग की कि ब्रिटिश सरकार संस्कृत शिक्षा को मिलने वाला सरकारी धन बंद करे और उसके स्थान पर पश्चिमी विज्ञान और अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दे। उनके शब्दों में संस्कृत की शिक्षा "अंधकार में रखने वाली" थी, और पश्चिमी ज्ञान ही भारत को "प्रकाश" दे सकता था। यह पत्र इतिहास में एक "ऐतिहासिक दस्तावेज" के रूप में दर्ज है। पर जरा रुकिए। इसे दूसरी तरफ से भी पढ़िए।

क्या यह सुधार था ? या आत्मसमर्पण ? - एक भारतीय व्यक्ति, उपनिवेशी शासकों को पत्र लिखकर यह कह रहा है कि हमारी अपनी ज्ञान-परंपरा को धन देना बंद करो। हमें अपनी भाषा, अपना दर्शन, अपनी शिक्षा-पद्धति नहीं चाहिए – हमें तुम्हारी चाहिए। क्या यह सुधार था ? या आत्मसमर्पण ?

मैकॉले ने राममोहन राय के विचारों को नींव बनाया : इस पत्र के बाद जो हुआ, वह संयोग नहीं था। 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने अपना कुख्यात "मिनट ऑन एजुकेशन" लिखा – वही जिसमें उसने कहा था कि एक अच्छे अंग्रेजी पुस्तकालय की एक शेल्फ पूरे भारत और अरब के साहित्य से बेहतर है। उसी मैकॉले ने राममोहन राय के विचारों को अपनी नीति की नींव बनाया। और फिर आया English Education Act – जिसने भारतीय भाषाओं और ज्ञान-परंपराओं को सरकारी संरक्षण से वंचित कर दिया। सोचिए – मैकॉले को जमीन किसने दी ? वह अकेला यह नहीं कर सकता था। उसे जरूरत थी किसी "भारतीय गवाह" की – कोई जो कहे कि हाँ, हमारा ज्ञान बेकार है। वह गवाही राममोहन राय दे चुके थे। यह वैसा ही है जैसे कोई घर का सदस्य बाहर वालों को बुलाकर कहे – आओ, यह घर तोड़ दो, यह रहने लायक नहीं।

सभ्य होना और अंग्रेजों जैसा होना एक : यहाँ एक बात स्पष्ट कर देना जरूरी है। राममोहन राय अकेले नहीं थे। वे एक प्रकार के थे-एक मानसिकता के प्रतिनिधि। उस दौर में ऐसे अनेक लोग थे जो अंग्रेजों की भाषा, वेशभूषा, खान-पान, रहन-सहन – सब कुछ अपनाने में अपनी उन्नति देखते थे। इनके लिए "सभ्य होना" और "अंग्रेजों जैसा होना" एक ही बात थी।

अपनी बोली गँवारू और अंग्रेजी शरीफों की जबान : ये लोग ब्रिटिश क्लबों के बाहर खड़े रहते थे और अंदर जाने के लिए तरसते थे – शाब्दिक और रूपक, दोनों अर्थों में। इन्होंने अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजा, अपने घरों में अंग्रेजी बोलना शुरू किया, अपनी बोली-बानी को "गँवारू" और अंग्रेजी को "शरीफों की जबान" समझा। अपने रंग को शर्म और गोरे रंग को तरक़्क़ी का पैमाना माना।

भारत को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया : इनकी दीवानगी सिर्फ. अनुकरण नहीं थी – यह एक विश्वास था। इन्हें सचमुच लगता था कि अंग्रेज श्रेष्ठ हैं। उनका विज्ञान श्रेष्ठ है – यह ठीक भी था। पर उनका निष्कर्ष यह था कि इसलिए उनकी सब कुछ श्रेष्ठ है – उनकी नस्ल, उनकी संस्कृति, उनका धर्म, उनका शासन। और इसी निष्कर्ष ने भारत को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया।

रंग में भारतीय पर विचार में अंग्रेज : भारतीय ज्ञान-परंपरा कोई खाली थैला नहीं थी। गणित, खगोलशास्त्र, आयुर्वेद, भाषाविज्ञान, दर्शन, धातुकर्म, नौकायन – इन सब में भारत की उपलब्धियाँ ऐसी थीं जिन्हें आज पश्चिमी विद्वान भी स्वीकार करते हैं। नालंदा और तक्षशिला केवल धर्म नहीं पढ़ाते थे – वे विश्वविद्यालय थे, पूरी दुनिया के अर्थ में। जब इस ज्ञान-परंपरा को "अंधकार" कहा गया और उसके स्थान पर मैकॉले की शिक्षा-नीति स्थापित की गई, तो वास्तव में क्या हुआ? एक पूरी पीढ़ी तैयार हुई जो अपनी भाषा में सोच नहीं सकती थी, अपने इतिहास को जानती नहीं थी, और अपनी परंपराओं को शर्म की नजर से देखती थी। यह पीढ़ी अंग्रेजों की सेवा के लिए तैयार थी – क्लर्क, अनुवादक, मध्यस्थ। मैकॉले ने खुद लिखा था कि वह ऐसा वर्ग तैयार करना चाहता है जो खून और रंग में भारतीय हो, पर रुचि, विचार, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हो।राममोहन राय जैसे लोगों ने इस परियोजना की नींव रखी।

अंधेपन की कीमत भारत ने पीढ़ियों तक चुकाई : इतिहास में नीयत नहीं, परिणाम बोलते हैं। और परिणाम यह था कि एक भारतीय के हाथों लिखा गया वह पत्र उस पूरे तंत्र की बौद्धिक आधारशिला बन गया जिसने भारतीय ज्ञान को हाशिये पर धकेल दिया। सदियों की संचित विद्या – जो गुरुकुलों में जीवित थी, जो ऋषियों की स्मृति में थी, जो ग्रंथों में सुरक्षित थी – उसे एक झटके में "अनुपयोगी" घोषित कर दिया गया। जो प्रश्न आज पूछना जरूरी है वह यह है: क्या उस दौर में भारतीय ज्ञान की आलोचना करना और पश्चिमी शिक्षा की वकालत करना – ब्रिटिश शासन के संदर्भ में – एक राजनीतिक भूल नहीं था ? क्या उन्होंने यह नहीं देखा कि वे जिस दरख़्त की शाखाएँ काट रहे हैं, उस पर पूरे समाज का घोंसला टिका है? इरादा जो भी रहा हो – उस दीवानगी में एक अंधापन था। और उस अंधेपन की कीमत भारत ने चुकाई। पीढ़ियों तक।

उपनिवेशवाद जाने के बाद भी बनी है : - यह लेख किसी की निंदा के लिए नहीं लिखा गया। यह उस सोच को समझने की कोशिश है जो उपनिवेशवाद के साथ आती है – और जो उपनिवेशवाद के जाने के बाद भी बनी रहती है। जो देश सदियों तक किसी और के अधीन रहता है, उसके कुछ लोग अपने शासकों को आदर्श मानने लगते हैं। यह कमजोरी नहीं, यह मनोविज्ञान है। उपनिवेशवाद सिर्फ.जमीन नहीं लेता – वह आत्मविश्वास लेता है, आत्मसम्मान लेता है, और दिमाग में एक ऐसी घुन लगा देता है जो भीतर से खोखला कर देती है।

राममोहन राय उस घुन के शिकार थे। और उन्होंने – जानते हों या न जानते हों – उस घुन को राजकीय नीति में बदलने में मदद की।

जयंती पर फूल चढ़ाना आसान है। इतिहास से सवाल पूछना कठिन है।

जो कौमें अपने इतिहास से सवाल नहीं पूछतीं, वे उसी इतिहास को दोहराती रहती हैं।

22 मई को याद रखिए – पर सिर्फ.जयंती की तरह नहीं। एक सबक की तरह भी।

जो अपनी जड़ों को शर्म की नजर से देखे, वह दूसरों के लिए जमीन तैयार करता है।

लेखक
सुमित गर्ग

'अच्छे दिन' से 'संकट की घड़ी' तक? अब जनता से संयम की अपेक्षा

भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा।

काश चुनावों का मौसम थोड़ा और लंबा होता। उसके खत्म होते ही प्रधानमंत्री ने चेताया हमको कि अच्छे दिन अभी रूई की बत्ती की तरह उड़ गए हैं और बुरे दिनों की तैयारी हम सबको करनी होगी। एक साल तक रहेंगे मायूसी और तंगी भरे ये दिन, जिनमें न हम किसी खुशी के मौके पर सोना खरीद सकेंगे, न विदेश यात्राएं कर सकेंगे, न कोई दूसरे तरीके से विदेशी मुद्रा इस्तेमाल कर सकेंगे। ऊपर से आग्रह यह भी किया प्रधानमंत्री ने कि जहां तक हो सके, हम घर से काम करने का प्रयास करें और अगर बाहर जाना ही है कहीं, तो निजी गाड़ियों के बदले बस, टैक्सी या मेट्रो से जाएं। निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करना ही है, तो 'कारपूलिंग' करें। यह सुझाव हैं मध्यवर्ग लोगों के लिए। गरीब किसानों के लिए सुझाव यह था प्रधानमंत्री का कि कीमती खाद, जिसका आयात विदेशों से होता है, उसको त्याग कर खेती पुराने तरीकों से करना शुरू करें। जिस तरह विदेश से आयात की हुई महंगी रासायनिक खाद के आने से पहले होती थी। प्रधानमंत्री शायद भूल गए यह सुझाव देते हुए कि वह ऐसा दौर था, जब भारतीय किसानों का उत्पाद इतना थोड़ा था कि हमको विदेशों से अनाज मंगवाना पड़ता था। मेरी उमर के लोग भूले नहीं हैं वह दौर जब समंदर के रास्ते आता था गेहूं और धान।

प्रधानमंत्री शायद यह भी भूल गए थे कि श्रीलंका में जब राजपक्षे बंधु राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने किसानों को यही सुझाव दिया था और परिणाम यह हुआ कि अनाज के दाम इतने बढ़ गए थे कि क्रांति पर उतर आए थे श्रीलंका के लोग। याद कीजिए वे नजारे, जिनमें आम लोगों ने राष्ट्रपति के महल में घुस कर तोड़फोड़ और लूटपाट की थी। यह वर्ष 2022 की बात है सो शायद आपको भी याद होगा कि राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़ कर भागना पड़ा था। विनम्रता से प्रधानमंत्री से आग्रह करती हूं कि यह वाला सुझाव वापस ले लें।

सुझाव मेरी तरफ से और भी हैं, बिल्कुल वैसे जैसे प्रधानमंत्री ने अपने काफिले की गाड़ियां कम करने का फैसला किया है। उनको अब अपने मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को भी आदेश देना चाहिए कि पेट्रोल-डीजल की किल्लत इतनी है अब कि उनको कोशिश करनी चाहिए कि अपने काफिले को बंद कर एक ही गाड़ी में अपने सुरक्षा कर्मियों को बिठा कर सफर करें। भारत में बड़े काफिलों की आदत डाल रखी है हमारे राजनेताओं ने, लेकिन ऐसा विकसित पश्चिमी देशों में नहीं होता है। अक्सर वहां के राजनेता जब अपने घर से दफ्तर जाते हैं, तो उनकी एक गाड़ी होती है, दस नहीं। कई देशों में तो प्रधानमंत्री मेट्रो से जाते हैं। संकट की घड़ी में नेतृत्व की सख्त जरूरत होती है, तो प्रधानमंत्री आप दिखाइए कि सरकारी खर्चा आप कितना कम कर सकते हैं।

मैंने पहले भी कहा है बहुत बार कि विकसित लोकतांत्रिक देशों में जन प्रतिनिधियों को सरकारी कोठियां नहीं मिलती हैं। अपनी तनख्वाह से ढूंढ़ते हैं अपने लिए किराए के आवास। अपनी तनख्वाह से खर्च करते हैं पैसे गैस, फोन, पानी और बिजली पर। ऐसा हमारे देश में इसलिए नहीं हुआ है, क्योंकि नेहरूजी बहुत प्रभावित थे सोवियत संघ से, सो उसकी नकल करने का फैसला किया उन्होंने। रूस और चीन जैसे तानाशाह कम्युनिस्ट देशों में होता यह है कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहते हैं असली महलों में, जहां पहले रहते थे बादशाह और राजा। जबकि जनता को रहना पड़ता है झुग्गी बस्तियों में।

जब लोकतंत्र नहीं होता है, तो सवाल करने वाले भी नहीं होते हैं। भारत में अंग्रेज जब राज करते थे, तो उन्होंने भी अपने लिए बनाए थे बड़े-बड़े घर, ताकि उनकी शान हम गुलामों में बढ़ जाए। इन मकानों में 1947 में रहने लगे हमारे जन प्रतिनिधि और अब ऐसी आदत पड़ी हुई है शान से रहने की कि कोई बहुत ही साहसी प्रधानमंत्री होगा जो इस आदत को छोड़ सकेगा। आप कर सकते हैं क्या?

संकट की घड़ी में साहस दिखाने की जरूरत है। संकट अभी शुरू ही हुआ है। आगे-आगे देखते रहिए होगा क्या। डोनाल्ड ट्रंप चीन गए शी जिनपिंग से मिलने, लेकिन जाने से पहले उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान युद्ध के बारे में वे बात नहीं करना चाहते हैं शी से बावजूद इसके कि इस युद्ध को रोक सकता है कोई तो सिर्फ चीन। सो युद्ध लंबा चलने वाला है। इसका सबसे अधिक नुकसान होने वाला है भारत जैसे देशों में जो पूरी तरह तेल के लिए निर्भर हैं विदेश से आयात पर। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर मंदी छाने के आसार दिख रहे हैं, लेकिन इस मंदी का असली नुकसान हमको देखना पड़ेगा अपने देश में।

प्रधानमंत्री मोदी खुद निकले हुए हैं विदेशी दौरे पर जिसकी योजना शायद बहुत पहले बनाई गई थी, लेकिन वे जानते हैं अच्छी तरह कि उनके मंत्रियों के बच्चे पढ़ते हैं अमेरिका और यूरोप में और गर्मियों के मौसम में मंत्रियों की एक पूरी टोली निकल पड़ती है इन देशों की तरफ। जाते हैं सरकारी काम का बहाना करके, लेकिन असली मकसद है अपने बच्चों से मिलना और उनके साथ सैर-सपाटा करना। अनुमान लगाया जाता है कि मोदी के मंत्रिमंडल में कोई बीस मंत्री ऐसे हैं जिनके बच्चे विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। अपनी तरफ से यह कहना चाहती हूं कि मेरी जानकारी में शायद एक भी बड़ा राजनेता या आला अधिकारी नहीं है, जिनके बच्चे किसी महंगे विदेशी कालेज में दाखिल न हुए हों। इनके पास पैसे कहां से आते हैं अपने बच्चों को इतनी महंगी शिक्षा दिलाने के लिए, मैं नहीं जानती।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

(ललित गर्ग)

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है।

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में जी-2 यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए।

भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रूवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संभागायुक्त धनंजय सिंह की अध्यक्षता में पेंच टाइगर रिजर्व की स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संभागायुक्त धनंजय सिंह की अध्यक्षता में आज खवासा में पेंच टाइगर रिजर्व की स्थानीय सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक में विधायक विधानसभा क्षेत्र बरघाट, विधायक विधानसभा क्षेत्र चौरई, कलेक्टर सिवनी, कलेक्टर छिंदवाड़ा, वन मंडलाधिकारी सिवनी एवं छिंदवाड़ा सहित क्षेत्र संचालक एवं सदस्य सचिव देवा प्रसाद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटन प्रबंधन और व्यवस्थाओं की समीक्षा करना रहा। बैठक के दौरान क्षेत्र संचालक द्वारा पेंच टाइगर रिजर्व की भौगोलिक स्थिति, कार्यक्षेत्र एवं संरचना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही वन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी राजपत्र 27 अगस्त 2021 के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। बैठक में बताया गया कि टाइगर रिजर्व के बफर जोन की 5 किलोमीटर सीमा के भीतर स्थित गांवों के छात्रों, इको विकास समितियों के सदस्यों तथा विभिन्न राज्यों के वन विभागों के प्रशिक्षणार्थियों को अध्ययन यात्राएं निःशुल्क कराई जाती हैं, ताकि पर्यावरण एवं वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसके अलावा संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटन वाहनों के पंजीकरण, उनकी क्षमता, पर्यटक प्रवाह, नए पर्यटन जोन की उपलब्धता तथा रोस्टर प्रणाली के माध्यम से संचालन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वर्तमान में कुल 342 पर्यटक वाहन पंजीकृत हैं। क्षेत्र संचालक ने जानकारी दी कि पर्यटन सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी पंजीकृत वाहनों की फिटनेस एवं चालकों की निर्धारित मानकों के अनुसार जांच आवश्यक होती है। इस पर समिति ने निर्णय लिया कि सभी वाहनों की फिटनेस जांच एवं नियमों का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे पर्यटन गतिविधियां अधिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित बन सकें। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि पर्यटन प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिल सके। अंत में संभागायुक्त धनंजय सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से विचार-विमर्श करते हुए निर्देश दिए कि पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी दिशा-निदेर्शों और नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण बन सके।

तनावमुक्ति, ध्यान और मानवीय मूल्यों की शिक्षा आवश्यक : कैबिनेट मंत्री भूरिया

बेंगलुरु। मध्य प्रदेश सरकार की महिला एवं बाल विकास कैबिनेट मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया ने द आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर बेंगलुरु के अपने प्रवास के दौरान कहा कि आज के तनावपूर्ण और तीव्रगामी संसार में गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर द्वारा किया जा रहा कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आश्रम का वातावरण, यहाँ की ऊर्जा और सेवा कार्यों को देखकर उन्हें यह गहराई से अनुभव हुआ कि समाज में बढ़ते मानसिक तनाव, अवसाद और भावनात्मक असंतुलन के बीच द आर्ट ऑफ लिविंग जैसी पहलें लोगों को नई दिशा दे रही हैं। श्रीमती भूरिया ने विशेष रूप से विद्यार्थियों, महिलाओं, ग्रामीण और शहरी समाज में बढ़ती मानसिक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज छोटी-छोटी बातों पर भी लोग मानसिक रूप से टूट रहे हैं और ऐसे समय में तनावमुक्ति, ध्यान और मानवीय मूल्यों की शिक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत द आर्ट ऑफ लिविंग की कई पहलों को लागू करने की उनकी इच्छा है। आश्रम में अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, मैं जब भी गुरुदेव को देखती थी, हमेशा मुस्कुराते हुए देखती थी। आज यहाँ आकर उस मुस्कान का रहस्य समझ में आया। श्रीमती निर्मला भूरिया द आर्ट ऑफ लिविंग के 45वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष सत्संग में संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भिंड में ऊजीर्कृत किया अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एमपी ट्रांसको) ने 132 केवी सबस्टेशन भिंड की क्षमता वृद्धि करते हुए 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊजीर्कृत किया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊजीर्कृत होने से सबस्टेशन की ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढ़कर 153 एमवीए की हो गई है। एमपी ट्रांसको ग्वालियर के अधीक्षण अभियंता राजीव तोतला ने जानकारी दी कि इस सब स्टेशन में यह तीसरा ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊजीर्कृत किया गया है, इससे सबस्टेशन में बढ़ते लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा। इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से भिंड जिले की ट्रांसफारमेशन केपैसिटी बढ़कर 1619 एम वी ए की हो गई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 हेतु प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में नागरिक फीडबैक जागरूकता अभियान आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी जबलपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में शामिल करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर में नागरिक फीडबैक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नगर निगम जबलपुर के नागरिक फीडबैक पोर्टल एवं क्यूआर कोड के माध्यम से स्वच्छ सर्वेक्षण से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दर्ज करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को स्वयं फीडबैक भरने के साथ-साथ अपने परिवार, पड़ोसियों एवं परिचितों को भी इस अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता जनजागरण का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग सहित नगर निगम जबलपुर के अपर आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, श्री नर्मदा प्रसाद शर्मा, प्राचार्य लोकनाथ संस्कृत महाविद्यालय जबलपुर तथा श्री परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्य और सामाजिक संस्कार का प्रतीक है। यदि युवा शक्ति इस जनभागीदारी अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाती है, तो जबलपुर निश्चित रूप से स्वच्छता के राष्ट्रीय मानकों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करेगा। प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक गतिविधियों में बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में जनसहभागिता बढ़ाने का यह प्रयास शहर को नई उपलब्धियों की ओर ले जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 240 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की।

मानस भवन में पुलिसकर्मियों का सम्मान, 52 जवानों को मिला गिफ्ट वाउचर और प्रशस्ति पत्र

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले विभिन्न थानों के पुलिसकर्मियों के सम्मान में मानस भवन में तृतीय पुलिस सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। माँ नर्मदा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के योगदान को सम्मानित किया गया, जो शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात कार्यरत रहते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर निगम क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों सहित कुल 52 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। सभी पुलिसकर्मियों को 5-5 हजार रुपये के गिफ्ट वाउचर और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। सम्मान प्राप्त कर पुलिसकर्मियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिसकर्मी हर परिस्थिति में अपने परिवार से दूर रहकर जनता की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के इन जांबाज जवानों का सम्मान करना समाज का कर्तव्य है, क्योंकि ये ही असली सुरक्षा के नायक हैं।

उन्होंने कहा कि त्योहार हो या कोई आपदा, पुलिसकर्मी हमेशा मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। यह सम्मान उनके निस्वार्थ सेवा भाव के प्रति शहरवासियों की ओर से आभार का प्रतीक है। कार्यक्रम में महापौर परिषद सदस्य, पार्षदगण, समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सभी ने पुलिस प्रशासन के कार्यों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजनों को पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने वाला बताया। आयोजकों ने कहा कि समाज में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके सम्मान के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

रेलवे ने यात्रियों से सतर्क रहने की अपील की

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रेलवे को निशाना बनाने वाली हाल की घटनाओं को देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। रेलवे ने कहा है कि ट्रेन या स्टेशन परिसर में किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें, ताकि असामाजिक तत्वों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, रवनीत सिंह बिट्टू तथा रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन और सीसीटीवी जैसी आधुनिक तकनीकों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। रेल मंत्रालय के अनुसार हाल में हुई आगजनी जैसी घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आई है। इन मामलों की आरपीएफ द्वारा गंभीरता से जांच की जा रही है। रेलवे का कहना है कि कई मामलों में त्वरित कार्रवाई से बड़ी घटनाओं को टालने में सफलता मिली है। बैठक में रेलवे नेटवर्क में सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने, साइबर सुरक्षा मजबूत करने और एआई आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा आरपीएफ और जीआरपी के बीच बेहतर तालमेल और सूचना साझा करने की व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सजग रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे हेल्पलाइन 139 पर दें।

पीएम स्वनिधि योजना में जबलपुर नगर निगम को देश में तीसरा स्थान, 13 हजार स्ट्रीट वेंडर्स बने स्वावलंबी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी जबलपुर ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते जबलपुर नगर निगम को पूरे देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए भारत सरकार द्वारा भी नगर निगम की सराहना की गई है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम ने मात्र 9 माह में लगभग 13 हजार स्ट्रीट वेंडर्स और जरूरतमंद परिवारों को योजना से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। महापौर ने कहा कि देश में तीसरा स्थान प्राप्त होना पूरे जबलपुर के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय योजना के क्रियान्वयन में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम को दिया।

नगर निगम द्वारा लगभग 13 हजार लाभार्थियों को करीब 31 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया, जिससे रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिला है। इस सहायता से लाभार्थियों को ब्याज के बोझ से राहत मिली और उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ। योजना के तहत लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया गया। प्रथम चरण में 6,327 लाभार्थियों को 15,000 रुपये, द्वितीय चरण में 4,415 लाभार्थियों को 25,000 रुपये तथा तृतीय चरण में 2,070 लाभार्थियों को 50,000 रुपये का ऋण प्रदान किया गया। नगर निगम ने पारदर्शी और योजनाबद्ध तरीके से इस योजना का क्रियान्वयन किया, जिसके चलते यह सफलता संभव हो सकी। इस उपलब्धि पर भारत सरकार ने भी जबलपुर नगर निगम की विशेष सराहना की है। महापौर और निगमायुक्त ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि नगर निगम आगे भी केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

पावर मैनेजमेंट कंपनी के चिकित्सालय में 23 मई को नि:शुल्क नेत्र शिविर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के रामपुर स्थित चिकित्सालय में शनिवार, 23 मई को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर अपोलो हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उत्तरवर्ती विद्युत कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों, पेंशनरों तथा उनके परिजनों की आंखों की जांच और विशेषज्ञ परामर्श निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) फिरोज कुमार मेश्राम ने सभी कार्मिकों, पेंशनरों और उनके आश्रितों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस निःशुल्क नेत्र शिविर का लाभ उठाएं।

पावर मैनेजमेंट कंपनी के चिकित्सालय में 23 मई को नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन, कर्मचारियों व पेंशनरों को मिलेगा लाभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के रामपुर स्थित चिकित्सालय में शनिवार, 23 मई को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर अपोलो हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कंपनी के कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। इस शिविर में उत्तरवर्ती विद्युत कंपनियों में कार्यरत कार्मिकों, पेंशनरों तथा उनके आश्रित परिजनों की आंखों की विस्तृत जांच की जाएगी। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में आंखों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की पहचान, प्रारंभिक जांच और आवश्यक उपचार संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध रहेगा, जिससे प्रतिभागियों को समय पर उपचार का लाभ मिल सकेगा। पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा आयोजित इस पहल को कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कंपनी समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर अपने कार्मिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रयासरत रहती है। पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) फिरोज कुमार मेश्राम ने बताया कि इस निःशुल्क नेत्र शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना है, ताकि किसी भी कर्मचारी या उनके परिजन को आंखों से संबंधित समस्या होने पर समय पर उचित सलाह और जांच मिल सके। उन्होंने सभी कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके आश्रितों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और शिविर में उपस्थित होकर अपनी आंखों की जांच अवश्य कराएं। इस शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों में कल्याणकारी गतिविधियों के प्रति विश्वास और भी मजबूत होगा। कंपनी का मानना है कि स्वस्थ कर्मचारी ही संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सक्षम की राष्ट्रीय दृष्टि प्रकोष्ठ कार्यशाला 23 एवं 24 मई को जबलपुर में होगी आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम) द्वारा राष्ट्रीय दृष्टि प्रकोष्ठ कार्यशाला का आयोजन 23 एवं 24 मई को दादा वीरेंद्रपुरी जी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय), जोतपुर, तिलवारा घाट, जबलपुर में किया जाएगा। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। सक्षम के राष्ट्रीय दृष्टि प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. पवन स्थापक ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य दृष्टिबाधितों की शिक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास, सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके साथ ही उनका उत्साहवर्धन और मनोबल बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 65 प्रतिभागी शामिल होंगे, जो अंधत्व के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों द्वारा उद्बोधन और परिचर्चा की जाएगी, जिससे इस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी। कार्यशाला में सक्षम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. दयाल सिंह पंवार (दिल्ली), राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट उमेश अंधारे (नागपुर), राष्ट्रीय दृष्टि प्रकोष्ठ सह प्रमुख विनोद प्रकाश आर. (बेंगलुरु), एडवोकेट अजीत कुमार (झारखंड) एवं डॉ. अमित कुमार शर्मा (दिल्ली) सहित कई राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे। कार्यशाला का उद्घाटन 23 मई को प्रातः 9 बजे किया जाएगा, जबकि समापन समारोह 24 मई को दोपहर 12:30 बजे सम्पन्न होगा।

समय सीमा से पहले मकान सूचीकरण पूरा कर जबलपुर नगर निगम ने रचा इतिहास, मध्यप्रदेश में बना नंबर-1 नगर निगम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम जबलपुर ने प्रशासनिक दक्षता और मजबूत टीम वर्क का परिचय देते हुए जनगणना के अंतर्गत होने वाले मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य को निर्धारित समय सीमा से एक दिन पहले ही पूरा कर मध्यप्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि शहर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम जबलपुर ने यह कार्य 20 मई की अंतिम तिथि से पहले 19 मई को ही शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया। इसके साथ ही जबलपुर प्रदेश का ऐसा पहला नगर निगम बन गया है जिसने यह लक्ष्य सबसे पहले हासिल किया है। महापौर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और बेहतर प्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जमीनी कर्मचारियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी ने दिन-रात मेहनत कर इस चुनौतीपूर्ण कार्य को समय से पहले पूरा किया है, जो जबलपुर के लिए गर्व का विषय है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कहा कि इतनी बड़ी आबादी वाले नगर निगम क्षेत्र में मकानों का सटीक सूचीकरण एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन मजबूत मॉनिटरिंग और फील्ड स्टाफ के समर्पण के कारण जबलपुर ने पूरे प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी नगर निगमों में जबलपुर ने सबसे पहले यह कार्य पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। निर्धारित समय सीमा 20 मई थी, लेकिन टीम ने 19 मई को ही कार्य पूरा कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया। इस उपलब्धि के बाद नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों में उत्साह का माहौल है। महापौर और निगमायुक्त ने सभी कर्मचारियों को इस सफलता पर बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह सकारात्मक और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। नगर निगम ने इस उपलब्धि को टीम वर्क और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था का उदाहरण बताया है, जिससे आने वाले समय में अन्य विकास कार्यों में भी गति और गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

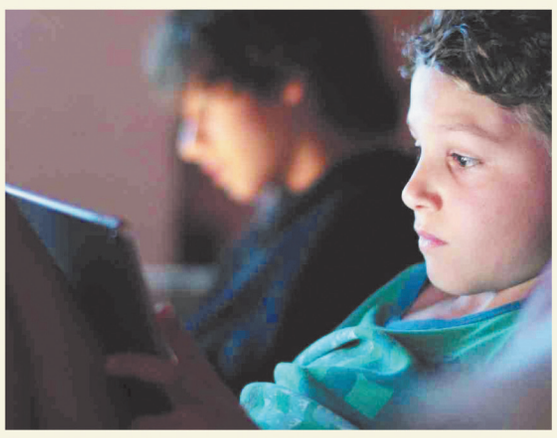

इस प्रकार बच्चों को मोबाइल की आदत से दूर करें

आजकल के बच्चों में मोबाइल फोन की आदत बहुत तेजी से बढ़ रही है। छोटा-सा बच्चा भी बार-बार फोन मांगता है, रोता है, जिद करता है और बिना फोन के चुप नहीं बैठता। यह आदत न सिर्फ पढ़ाई पर असर डालती है, बल्कि आंखों की रोशनी, नींद और व्यवहार पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन अच्छी बात यह है कि थोड़ी समझदारी और लगातार कोशिश से इस आदत को छुड़ाया जा सकता है। इन तीन उपायों से बच्चा खुद फोन कम मांगेगा।

स्क्रीन टाइम तय करें

सबसे पहले घर में एक साफ नियम बनाएं कि फोन या टैबलेट सिर्फ तय समय पर ही इस्तेमाल होगा, जैसे दिन में 30-60 मिनट से ज्यादा नहीं. बच्चे को पहले से बता दें कि 'खेलने के बाद 30 मिनट फोन, फिर बंद!'

फोन की सेटिंग में जाकर स्क्रीन टाइम लिमिट लगा दें! एंड्रॉयड या आईफोन में पैरेंटल कंट्रोल ऑन करें, जहां आप ऐप्स को लॉक कर सकते हैं या समय खत्म होने पर ऑटोमैटिक बंद हो जाए। जब बच्चा बार-बार मांगे तो प्यार से कहें, 'देखो, टाइमर खत्म हो गया, अब हम साथ कुछ और खेलेंगे.' इससे बच्चे को लगेगा कि नियम सबके लिए हैं, न कि सिर्फ उस पर रोक लगी है. धीरे-धीरे वह आदत डाल लेगा और जिद कम होगी।

बच्चे को रोचक काम दें

ज्यादातर बच्चे फोन इसलिए मांगते हैं क्योंकि उन्हें कुछ और करने को नहीं मिलता. बोर होने पर फोन सबसे आसान लगता है। इसलिए घर में दूसरी एक्टिविटी बढ़ाएं। जैसे- बाहर पार्क में खेलना, साइकिल चलाना, घर में बोर्ड गेम खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या साथ मिलकर खाना बनाना. बच्चे को शामिल करें, जैसे 'आज हम सब मिलकर टेंट बनाएंगे!' या 'चलो, तुम्हारी फेवरेट स्टोरी सुनाऊं।'

जब बच्चा व्यस्त रहेगा तो फोन की याद ही नहीं आएगी. शुरुआत में मुश्किल लगेगा, लेकिन 7-10 दिन में फर्क दिखेगा. बच्चा खुद कहेगा, 'मम्मी, चलो खेलें!'

स्वयं परिवार साथ मिलकर कम फोन यूज करें

बच्चे वही सीखते हैं जो देखते हैं. अगर मम्मी-पापा खुद दिनभर फोन में लगे रहें तो बच्चा भी वैसा ही करेगा।

सबसे पहले खुद फोन कम यूज करें। खाना खाते वक्त, बात करते वक्त या बच्चे के साथ खेलते वक्त फोन साइड में रखें। परिवार में 'नो फोन जोन' बनाएं, जैसे डिनर टेबल या बेडरूम में फोन न लाएं। सब मिलकर गेम खेलें, बातें करें या घूमने जाएं.

जब बच्चा देखेगा कि घर में सब फोन कम यूज कर रहे हैं तो वह भी आसानी से मान जाएगा। ये तरीके सबसे ज्यादा असरदार है क्योंकि बच्चा कॉपी करता है। इससे न सिर्फ बच्चे की फोन मांगने की आदत कम होगी, बल्कि परिवार में प्यार, बातचीत और खुशी बढ़ेगी। शुरुआत में बच्चा रो सकता है या जिद कर सकता है, लेकिन प्यार और धैर्य से समझाएं।

गधे को हुआ राजा बनने का शौक

एक घना और हरा-भरा जंगल था, जिसका नाम था 'सुंदरवन'। इस जंगल में हर तरफ हरियाली थी और नदी की कल-कल करती आवाजें गूंजती रहती थीं।

जंगल के किनारे एक छोटा सा गांव था। उस गांव में रामू नाम का एक धोबी रहता था, जिसके पास एक गधा था - 'भोलू'। भोलू दिन भर कपड़े ढोता और रात को खूंटे से बंधा रहता। भोलू अपने इस जीवन से बहुत परेशान था। उसे लगता था कि वह किसी महान काम के लिए बना है। अक्सर रात के सन्नाटे में जब वह जंगल की तरफ देखता, तो उसे लगता कि काश! वह इस जंगल का राजा होता।

एक दिन रामू धोबी किसी काम से शहर गया और भोलू को खूंटे से बांधना भूल गया। भोलू ने मौका देखा और अपनी आजादी की ओर कदम बढ़ा दिए। वह भागता हुआ सीधे सुंदरवन के घने जंगल में जा पहुंचा।

जंगल में घुसते ही उसे एक अजीब सी आजादी का अहसास हुआ। तभी उसकी नज़र एक पुराने खंडहर पर पड़ी। वह किसी जमाने में एक राजा का शिकारगाह हुआ करता था। वहां भोलू को एक पुराना सा राजसी लबादा (कपड़ा) और एक पीतल का चमचमाता हुआ मुकुट मिला, जो शायद कोई इंसान वहां भूल गया था। भोलू ने तुरंत वह लबादा ओढ़ लिया और सिर पर मुकुट रख लिया। पानी में अपनी परछाई देखकर भोलू को लगा कि वह सचमुच कोई महान सम्राट लग रहा है।

अब भोलू ने अपनी चाल बदल ली। वह सीना तानकर और अकड़कर चलने लगा। सबसे पहले उसकी मुलाकात 'चंपक' नाम के एक सीधे-सादे खरगोश से हुई। खरगोश ने जब मुकुट पहने हुए इस अजीबोगरीब जानवर को देखा, तो वह डर गया।

भोलू ने अपनी आवाज़ को भारी बनाते हुए कहा, 'डरो मत छोटे जीव! मैं दूर देश के जंगलों का महाराजा हूँ। भगवान ने मुझे तुम लोगों की रक्षा के लिए इस जंगल में भेजा है। सुना है तुम्हारे जंगल का शेर अब बहुत बूढ़ा हो गया है?'

खरगोश तुरंत भागकर जंगल के बाकी जानवरों को यह खबर देने चला गया। यह बात जंगल में आग की तरह फैल गई।

कुछ ही देर में हाथी, हिरण, बंदर और जेब्रा भोलू के पास आ गए। भोलू एक ऊंचे पत्थर पर बैठ गया। उसने जानवरों को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरे प्यारे वनवासियों! मैं देख रहा हूँ कि इस जंगल में कोई व्यवस्था नहीं है। शेर सिर्फ डराकर राज करता है। अगर तुम मुझे अपना राजा मान लो, तो मैं तुम्हें कभी शिकार नहीं बनाऊंगा। पूरे जंगल में लोकतंत्र होगा और हर रोज़ मीठी घास की दावत होगी!'

हिरण और बंदर भोलू की इन मीठी बातों में आ गए। उन्हें लगा कि शायद यही वो आदर्श राजा है जिसकी उन्हें तलाश थी। जानवरों ने जयकारे लगाने शुरू कर दिए - 'नए राजा की जय हो! महाराजा की जय हो!'

एक चतुर लोमड़ी भी थी, जिसका नाम था 'चलाकी'। लोमड़ी को भोलू की शक्ल और उसके लंबे कान देखकर कुछ शक हुआ। उसने सोचा कि यह जानवर शेर और हाथी से भी बड़ा राजा कैसे हो सकता है? इसके पैर तो बिल्कुल गधे जैसे दिख रहे हैं!

लोमड़ी ने धीरे से जाकर यह सारी बात जंगल के असली राजा, शेर सिंह को बता दी। शेर सिंह अपनी गुफा में आराम कर रहा था। यह सुनकर उसे भी अचरज हुआ कि उसके जीते-जी जंगल में कोई नया राजा कैसे आ गया? वह तुरंत अपने मंत्रियों (भालू और चीते) को लेकर उस जगह की ओर निकल पड़ा।

इधर भोलू का राज्याभिषेक चल रहा था। बंदर उसे फलों की माला पहना रहे थे और हाथी अपनी सूंड से उस पर पानी छिड़क कर 'शाही स्नान' करा रहे थे। भोलू खुशी से फूला नहीं समा रहा था। उसे लगा कि उसका 'गधे से राजा बनने का शौक' पूरा हो गया है।

तभी अचानक एक भयंकर दहाड़ से पूरा जंगल कांप उठा। 'ग्रर्रर्रर...!!'

शेर सिंह वहां पहुंच चुका था। उसकी लाल आंखें और रौद्र रूप देखकर सारे जानवर कांपने लगे और पीछे हट गए।

शेर सिंह ने भोलू की तरफ घूरते हुए कहा, 'कौन हो तुम? और मेरे जंगल में राजा बनने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?'

भोलू शेर को देखकर अंदर तक कांप गया। उसकी सारी अकड़ हवा हो गई। लेकिन उसने सोचा कि अगर वह भी एक ज़ोरदार दहाड़ लगाएगा, तो शायद शेर डर जाएगा। भोलू ने पूरा ज़ोर लगाया, अपनी छाती फुलाई, आंखें बंद कीं और अपनी पूरी ताकत से आवाज़ निकाली।

लेकिन भोलू ठहरा एक गधा! उसके मुंह से शेर की दहाड़ की जगह एक ज़ोरदार आवाज़ निकली - 'ढेंचू! ढेंचू! ढेंचू!'

यह आवाज़ सुनकर जंगल के सारे जानवर सन्न रह गए। उसी समय भोलू के सिर से वह पीतल का मुकुट भी नीचे गिर गया और उसका लबादा खिसक गया। अब सबके सामने एक साधारण सा गधा खड़ा था जो डर के मारे थर-थर कांप रहा था।

शेर सिंह यह देखकर ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा। 'हाहाहा! तो तुम एक गधे हो! और चले थे जंगल के राजा बनने?'

चतुर लोमड़ी ने ताना मारते हुए कहा, 'देखा दोस्तों! मैंने कहा था ना कि कपड़े बदलने से किसी की असलियत नहीं बदलती।'

बंदर, खरगोश और हिरण को अपनी मूर्खता पर बहुत शर्म आई। भोलू शेर के पैरों में गिर पड़ा और रोते हुए बोला, 'मुझे माफ़ कर दीजिये महाराज! मुझे बस राजा बनने का शौक चढ़ गया था। मैं अब कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा।'

शेर सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं तुम्हें मारूंगा नहीं गधे, क्योंकि तुमने मुझे आज बहुत हंसाया है। लेकिन यह जंगल तुम्हारा घर नहीं है। वापस अपने मालिक के पास जाओ और वही काम करो जिसके लिए तुम बने हो।'

भोलू वहां से दुम दबाकर जो भागा, तो सीधे रामू धोबी के घर जाकर ही रुका। उस दिन के बाद से भोलू ने फिर कभी राजा बनने का सपना नहीं देखा और चुपचाप अपना काम करने लगा।

बच्चों और बड़ों के लिए लिखी गई यह प्रेरक कहानी हमें एक बहुत बड़ी सीख देती है कि - 'केवल बाहरी रूप और कपड़े बदल लेने से कोई महान नहीं बन जाता। इंसान (या जानवर) की असली पहचान उसके गुणों और उसकी असलियत से होती है। जो हम हैं, हमें वही रहना चाहिए और दिखावे से बचना चाहिए।'

इन विटामिन वाले

आहारों से बच्चों की आंखें होंगी तेज

ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। इसके अलावा पोषण की कमी के कारण भी बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में बच्चों की आंखों को तेज बनाने इन विटामिनों से भरे फल उन्हें दें।

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

बच्चों में कैल्शियम की कमी का इस प्रकार पता चलेगा

कैल्शियम बच्चों के लिए बेहद जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए भी ये काफी जरुरी होता है। इसकी कमी से उनके शरीर पर विपरीत प्रभावि पड़ता है। । ये उनकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी कैल्शियम की जरूरत भी बढ़ जाती है। अगर बच्चों को सही मात्रा में कैल्शियम नहीं मिलता, तो उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरी त प्रभाव पड़ता है।

कमी के हैं ये संकेत

कैल्शियम की कमी से बच्चों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके कारण बच्चों को चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है और वे दर्द महसूस कर सकते हैं। इससे शिशु को उठने और बैठने में भी मुश्किल हो सकती है।दांतों की समस्याएं : नवजात शिशुओं में दांतों का देर से आना, दांत कमजोर होना या दांतों में कैविटी की समस्या कैल्शियम की कमी के संकेत होत हैं। मांसपेशियों में दर्द : कैल्शियम की कमी से बच्चों की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह एक सामान्य लक्षण है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शारीरिक विकास की धीमी गति : अगर बच्चे की लंबाई और वजन अपेक्षित दर से कम बढ़ रहे हैं, तो यह भी कैल्शियम की कमी का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से बच्चों की शारीरिक विकास की ट्रैकिंग के लिए सलाह लें।

चिड़चिड़ापन : बच्चों का चिड़चिड़ा होना सामान्य हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करता है, तो यह कैल्शियम की कमी का एक संकेत हो सकता है।

इस प्रकार कमी दूर करे

कैल्शियम युक्त आहार : बच्चों की डाइट में कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। दूध, पनीर, दही और छाछ जैसे खाद्य पदार्थ बच्चों के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन : बच्चों को रोजाना 4 बादाम और 1 अंजीर खिलाएं। इन दोनों में कैल्शियम और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। हमेशा बादाम और अंजीर को पानी में भिगोकर दें।

विटामिन डी की प्राप्ति : विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। बच्चों को सूरज की रोशनी में बैठने के लिए प्रेरित करें। रोजाना कम से कम आधे घंटे के लिए उन्हें धूप में खेलने का समय दें।

नियमित स्वास्थ्य जांच : कैल्शियम की कमी का पता लगाने के लिए बच्चों की नियमित मेडिकल जांच कराना बहुत जरूरी है। डॉक्टर से सलाह लेकर हर 3 महीने में बच्चे की जांच करवाएं।

हनु-मान के बाद अब महाकाली में दिखेंगे रोहित सराफ

मुंबई आरकेडी स्टूडियोज और फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। 'हनु-मान' की दुनिया के अगले अध्याय 'महाकाली' से अब अभिनेता रोहित सराफ जुड़ गए हैं। यही नहीं, रोहित ने इस फिल्म के लिए हैदराबाद में शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ मिल गया है।

गौरतलब है कि रोहित सराफ के जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है। खासकर नॉर्थ इंडिया में उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांकि फिल्म में अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं और दोनों कलाकारों के फर्स्ट लुक पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुके हैं।

फर्स्ट लुक के जरिए उनके दमदार और इंटेंस अंदाज को देखते हुए फिल्म से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। भव्य स्तर पर बनाई जा रही 'महाकाली' का निर्माण आरके दुग्गल और रिवाज रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा की उस सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे 'हनु-मान' की सफलता के बाद और आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

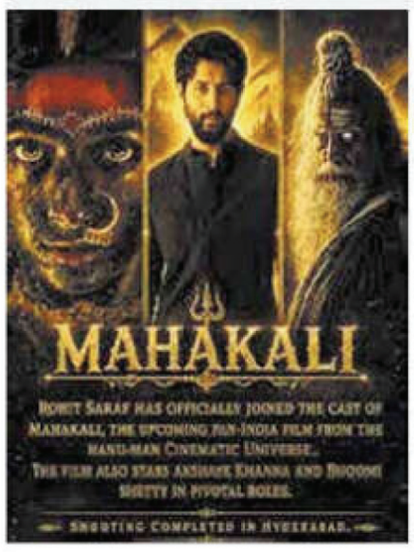

सलमान खान के एक आइडिया ने 'रेडी' में मेरे किरदार को बना दिया यादगार

'सेक्रेड गेम्स', 'रेडी, 'गली बॉय' जैसी वेबसीरीज और फिल्मों में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'रेडी' के किरदार को लेकर बात की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके रोल को खास बनाने का आइडिया सुपरस्टार सलमान खान का था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बात करती नजर आईं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' मिलने का अनुभव साझा किया। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था। लेकिन, बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी इंग्लिश बोलने वाली मेड बनाया जाए, जिससे उनका रोल खास बन गया।

अभिनेत्री ने कहा, ''यह वही ऑडिशन था, जिसमें मैंने छोटी ब्लैक ड्रेस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में उनके 'हां' कहने का इंतजार कर रही थी। इस ऑडिशन में मुझे फिल्म 'रेडी' में एक मेड का रोल मिलने वाला था और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड थी। इस फिल्म को करते समय मेरे अंदर बहुत आत्मविश्वास था क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इससे पहले कभी फिल्म नहीं की थी।

फिल्म में मेरे लिए कोई डायलॉग नहीं था। फिर सलमान खान ने कहा, 'क्यों न इसे ऐसी मेड बनाया जाए जो टूटी-फूटी भाषा, खासकर टूटी-फूटी इंग्लिश बोलती हो?' अनीस सर को यह आइडिया बहुत पसंद आया और तभी मुझे फिल्म में डायलॉग मिले।''

उन्होंने आगे कहा, ''हर किसी ने मुझसे कहा कि 'रेडी' जैसा रोल करके मैं पागलपन कर रही हूं और बहुत जल्दबाजी दिखा रही हूं। अगर मैंने 'रेडी' नहीं की होती, अगर मैं इतना पागलपन नहीं दिखाती, तो मैं कभी 'कुकू' नहीं बन पाती। कभी 'न' मत कहो। कोई रोल छोटा नहीं होता, सिर्फ अभिनेता छोटे होते हैं। यह जिंदगीभर की सीख है।'

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है। जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है। सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।'

सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

पति पत्नी और वो 2 को लेकर उत्साहित सारा अली खान

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।' इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है।'

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर बोलीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है।' अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी।' उन्होंने मुझसे कहा, 'मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने 'चिरैया' देखी और मैं बहुत रोई। उसके बाद मुझे उनका सामना करने की हिम्मत मिली।' दिव्या दत्ता ने कहा, 'सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत है। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया गया जाए तो लोग कहानी से खुद को जोड़ते हैं, तो यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है।

अब लोग जानेंगे कि मेरे दिमाग में सच में क्या चलता है

'बालिका वधू' की छोटी आनंदी बनकर घर-घर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी' के मंच पर लौट रही हैं। लेकिन, इस बार उनकी वापसी सिर्फ एक रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए नहीं है। सीजन 9 में सबसे पहले बाहर होने के बाद अविका अब अपने डर, अपनी पुरानी छवि और खुद की कमजोरियों से दोबारा भिड़ने जा रही हैं। बातचीत के दौरान अविका ने साफ कहा कि पहले वाली 'सहन करने वाली' लड़की अब बदल चुकी है। अब वह किसी की भी बदतमीजी चुपचाप सहने वालों में से नहीं हैं।

मेरे अंदर की बहादुर लड़की को लोगों ने कभी देखा ही नहीं

अविका मानती हैं कि इस बार शो में सबसे बड़ा चैलेंज कोई स्टंट नहीं, बल्कि खुद को बिना किसी पर्दे के लोगों के सामने रखना है। उन्होंने कहा, 'लोगों को ये देखना चाहिए कि उस मासूमियत के साथ मेरे अंदर एक ऐसा हिस्सा भी है जो बहादुर है और मुश्किल चीजों से डरता नहीं है। मैं चुनौतियों से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। मुझे लगता है कि लोगों ने हमेशा मेरा सिर्फ एक ही रूप देखा है। लेकिन अब शायद वो समझ पाएंगे कि मैं मेंटली कितनी मजबूत हूं और मुश्किल हालात को संभाल सकती हूं।'

मैं हमेशा सोच-समझकर बोलती थी... अब वो रोक हटानी है

इस बार अविका को सबसे ज्यादा डर ऊंचाई या खतरनाक एक्शन से नहीं...बल्कि उन चीजों से लग रहा है जिनका नाम सुनकर भी वह असहज हो जाती हैं। 'मुझे लगता है सबसे ज्यादा तनाव खुद को एक बिल्कुल अलग माहौल में साबित करने का है। रियलिटी शो मेरा जोन कभी नहीं रहे। मैं हमेशा बहुत सावधान रही हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए, कैसे रिएक्ट करना चाहिए ...मेरी छवि कैसी दिखनी चाहिए। मैं हर चीज बहुत सोच-समझकर बोलती हूं। लेकिन रियलिटी शो में आप हर वक्त खुद को रोक नहीं सकते। मुझे लगता है कि उस रोक को हटाना किसी भी स्टंट से ज्यादा मुश्किल है। शायद पहली बार लोग मुझे बिल्कुल असली रूप में देखेंगे।' अविका मानती हैं कि इस बार लोग उनका ऐसा रूप देखने वाले हैं, जिसे उन्होंने वर्षों तक सबसे छिपाकर रखा। 'मैं खुद को बहुत ज्यादा कॉम्पिटिटिव नहीं कहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं प्रतियोगिता के बिना नहीं रह सकती। मुझे मस्ती करना पसंद है। लेकिन अगर मैं किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हूं, तो मैं उसे हल्के में भी नहीं लूंगी। मैं पूरी ईमानदारी के साथ मुकाबला करूंगी। मुझे लगता है कि रोहित शेट्टी मेरा बदलाव देखकर हैरान होंगे। क्योंकि जब मैं सीजन 9 में 21 साल की उम्र में गई थी, तब मैं बहुत नासमझ थी। मैं बेवकूफ थी, खुद को लेकर असमंजस में थी और काफी मोटी भी थी... लेकिन अब मैं बहुत अलग हूं। अब मैं खुद को ज्यादा समझती हूं।' शो में जाने से पहले उनके घरवाले भी काफी तनाव में हैं। वजह सिर्फ स्टंट्स नहीं, बल्कि अविका का बदला हुआ स्वभाव भी है। 'मुझे लगता है लोग मेरे असली और बेबाक रूप के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। मैंने हमेशा अपने उस रूप को बहुत छिपाकर रखा है। मैं कई चीजें बोलना चाहती थी लेकिन खुद को रोक लेती थी। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों को ठीक वैसे ही देखना चाहिए कि मेरे दिमाग में क्या चलता है, मैं हालात को कैसे देखती हूं और असल में मैं कैसी हूं।'

पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी... अब बिल्कुल नहीं

'सब लोग एलर्जी और शरीर पर होने वाले रिएक्शन को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। वो नहीं चाहते कि पिछली बार जैसा अनुभव दोबारा हो। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता इस बात से ज्यादा डरते हैं कि अगर किसी ने गलत व्यवहार किया तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगी, क्योंकि पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी। मैं बहुत चीजें नजरअंदाज कर देती थी। लेकिन अब मैं किसी की भी बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करती। अगर कुछ गलत लगे तो मैं चुप नहीं रह पाती।'

मई में गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड, जबलपुर समेत कई जिलों में लू का अलर्ट जारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मई माह में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। जबलपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में तापमान लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत नहीं मिलने की संभावना जताई है। मंगलवार को जबलपुर में गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाए और दोपहर के समय शहर मानो आग की भट्ठी में तब्दील हो गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 44.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 3 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह सूर्योदय 5:27 बजे और सूर्यास्त 6:47 बजे हुआ। पूरे दिन आसमान साफ रहा और वर्षा दर्ज नहीं की गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। पश्चिमी दिशा से चल रही गर्म हवाओं और उमस के कारण लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। हवा की गति 3 से 4 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, लेकिन गर्म हवा के थपेड़ों ने दोपहर के समय हालात लू जैसे बना दिए। मौसम विभाग ने जबलपुर सहित कटनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, मंडला और डिंडौरी जिलों में 23 मई तक हीटवेव यानी लू का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सतना, रीवा, सीधी और दमोह जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। भीषण गर्मी का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है। कई इलाकों में बिजली और पानी की बढ़ती मांग के कारण परेशानी भी बढ़ने लगी है। डॉक्टरों ने भी लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक धूप में रहने या भारी शारीरिक श्रम करने वाले लोगों में हीट इलनेस यानी गर्मी से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। तेज धूप और लू के कारण चक्कर आना, कमजोरी, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें। हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ का सेवन करते रहें ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

हाईवे किनारे वृद्ध का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पनागर थाना क्षेत्र में हाईवे से लगे टॉप टेन ढाबे के पास एक वृद्ध का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सड़क किनारे लगभग 70 वर्षीय वृद्ध का शव पड़ा हुआ मिला, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे मामले की गुत्थी और उलझ गई है।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में वृद्ध के शरीर पर कई संदिग्ध निशान मिले हैं। मृतक के हाथों, घुटनों और गले के पास चोट और घिसटने जैसे निशान दिखाई दिए हैं। इसके अलावा भीषण गर्मी के कारण शरीर पर सनबर्न जैसे लक्षण भी पाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे कोई दुर्घटना है या अन्य कारण, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद पुलिस आसपास के क्षेत्रों में मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। हाईवे और आसपास के ढाबों में पूछताछ की जा रही है ताकि मृतक के बारे में कोई जानकारी मिल सके। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि वृद्ध वहां कैसे पहुंचा और घटना से पहले उसके साथ क्या हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह सड़क किनारे शव दिखाई देने के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू से जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवाह समारोह में आए सगे भाई ने ही उड़ाए लाखों के जेवर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर के चरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोटवारी में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। यहां शादी में शामिल होने आए सगे भाई ने ही अपने भाई के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपी ने मौका पाकर घर में रखे करीब पांच लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर और 74 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी भाई को गिरफ्तार कर चोरी गया अधिकांश सामान बरामद कर लिया है। चरगवां थाना पुलिस के अनुसार ग्राम कोटवारी निवासी मोहित झारिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 मई की रात उसके घर से सोने और चांदी के कई कीमती आभूषणों सहित नगद रकम चोरी हो गई है। चोरी गए सामान में सोने की पांचाली, मंगलसूत्र, चांदी की करधन, पायल, बिछिया, चूड़े और बच्चों के चांदी के आभूषण शामिल थे। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पीड़ित के सगे भाई मोहन मेहरा पर संदेह हुआ, जो बरगी थाना क्षेत्र के नारायणपुर से विवाह समारोह में शामिल होने आया था। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो वह पहले टालमटोल करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि शादी समारोह के दौरान ही उसकी नजर घर में रखी तिजोरी और पेटी पर पड़ गई थी। रात में जब सभी लोग शादी की व्यस्तताओं और थकान के कारण सो गए, तब उसने मौका पाकर जेवर और नगदी चोरी कर ली और रात में ही वापस नारायणपुर लौट गया ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खोखा रोड नहर के पास पुलिया के नीचे छिपाकर रखे गए चोरी के जेवर और 73 हजार 400 रुपये नगद बरामद कर लिए। आरोपी ने बताया कि चोरी की रकम में से 600 रुपये उसने खर्च कर दिए थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

आईपीएल फाइनल पर सट्टेबाजी रोकने पुलिस अलर्ट, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर में आईपीएल क्रिकेट फाइनल मुकाबले को लेकर पुलिस और क्राइम ब्रांच पूरी तरह सतर्क हो गई है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टे और अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि मैच के दौरान बड़े स्तर पर ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी हो सकती है, जिसके चलते शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस द्वारा संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देने की तैयारी की गई है और चिन्हित इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिछले एक महीने में सटोरियों के खिलाफ हुई लगातार कार्रवाई के बाद अब कई स्थानीय सटोरिये सीधे तौर पर लिंक लेने से बच रहे हैं। इसके बावजूद दुबई, गोवा और मुंबई से ऑनलाइन सट्टे के

नेटवर्क संचालित होने की सूचनाएं मिल रही हैं। फाइनल मुकाबले में लाखों रुपये के दांव लगने की संभावना के चलते सटोरिये नए माध्यमों और गुप्त लिंक के जरिए सक्रिय हो रहे हैं। वहीं पुलिस भी इस बार किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए सट्टेबाजों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी में जुटी हुई है। पुलिस विभाग द्वारा 28 मई को होने वाले क्वालीफायर मुकाबले और 31 मई को खेले जाने वाले फाइनल मैच के दौरान विशेष निगरानी अभियान चलाया जाएगा। थाना स्तर पर अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो रात 7 बजे से 11 बजे तक लगातार गश्त और जांच करेंगी। क्राइम ब्रांच की टीम शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के चिन्हित इलाकों में दबिश देगी। पुलिस ने पुराने सटोरियों और संदिग्ध लोगों की सूची तैयार कर ली है तथा उन पर विशेष नजर रखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक ऑनलाइन सट्टे का पूरा खेल मोबाइल एप और गुप्त लिंक के जरिए संचालित किया जाता है। सटोरिये सीधे किसी सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर एप उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि भरोसेमंद लोगों को विशेष लिंक भेजकर एप डाउनलोड कराया जाता है। इसके बाद एजेंटों को कोडवर्ड के माध्यम से रकम और हिसाब दिया जाता है। हर सीजन में नए डोमेन और नए यूआरएल तैयार किए जाते हैं ताकि पुलिस की निगरानी और कार्रवाई से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार आईपीएल सीजन के दौरान रोजाना करोड़ों रुपये का ऑनलाइन सट्टा लगाया जाता है। प्रत्येक एजेंट को सीमित क्रेडिट दी जाती है, जिसके आधार पर वह दांव लगवाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आईपीएल के दौरान अवैध सट्टेबाजी को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें शामिल पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चारधाम यात्रा के नाम पर साइबर ठगी सक्रिय, श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली ऑनलाइन सेवाओं पर साइबर ठगों की नजर टिक गई है। होटल बुकिंग, बस और ट्रेन टिकट, हेलीकॉप्टर सेवा तथा यात्रा पंजीयन के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। साइबर अपराधी फर्जी वेबसाइट और मोबाइल लिंक के जरिए यात्रियों से रकम ऐंठ रहे हैं। लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद स्टेट साइबर सेल ने श्रद्धालुओं के लिए विशेष एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की अपील की है। साइबर सेल के अनुसार ठग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और इंटरनेट पर आकर्षक ऑफर दिखाकर यात्रियों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। कई फर्जी वेबसाइटों पर सस्ते होटल, तत्काल हेलीकॉप्टर बुकिंग और वीआईपी दर्शन जैसी सुविधाओं का दावा किया जा रहा है। जैसे ही श्रद्धालु ऑनलाइन भुगतान करते हैं, ठग उनसे संपर्क बंद कर देते हैं और बुकिंग भी फर्जी निकलती है। अधिकारियों ने यात्रियों से केवल अधिकृत और सरकारी पोर्टल के माध्यम से ही बुकिंग करने की अपील की है। किसी भी अनजान लिंक, मोबाइल नंबर या सोशल मीडिया विज्ञापन पर भरोसा न करने की सलाह दी गई है। साइबर सेल ने कहा है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वेबसाइट या ऑनलाइन भुगतान की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि यात्रा सीजन के दौरान बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन बुकिंग करते हैं, जिसका फायदा उठाकर ठग सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए यात्रियों को वेबसाइट की सत्यता जांचने, भुगतान से पहले पूरी जानकारी पढ़ने और ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सतर्कता ही साइबर ठगी से बचने का सबसे बड़ा उपाय है।

जबलपुर में नशीले इंजेक्शन और गांजा बेचने वाले दो भाई गिरफ्तार, जीजा और दोस्त से लाते थे माल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत क्राइम ब्रांच और हनुमानताल पुलिस की संयुक्त टीम ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित नशीले इंजेक्शन और गांजा बेचने का कारोबार चला रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 125 नशीले इंजेक्शन, 430 ग्राम गांजा, 18 हजार रुपये नकद और एक बटनदार चाकू बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रेमसागर क्षेत्र के साहू मोहल्ला निवासी दो युवक अवैध रूप से नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर छापा मारा और साहिल सोनकर (23) तथा सावन सोनकर (21) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान साहिल के पास से नशे में इस्तेमाल होने वाले 125 इंजेक्शन और उनकी बिक्री से प्राप्त 18 हजार रुपये नकद मिले। वहीं सावन सोनकर के पास से 430 ग्राम गांजा और एक बटनदार चाकू बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों भाइयों ने अवैध मादक पदार्थों का कारोबार करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी सावन ने बताया कि वह अपने जीजा ऋषि सोनकर, निवासी ब्योहार बाग, से गांजा खरीदकर लाता था और उसे छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचता था। वहीं उसका भाई साहिल शीतला माई क्षेत्र निवासी सिद्धार्थ शर्मा से प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन खरीदकर लाता था और उन्हें नशा करने वालों को बेचता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी फोन पर ऑर्डर लेते थे। ग्राहक जहां बुलाते, वहां जाकर गांजा और इंजेक्शन की सप्लाई करते थे। आरोपी गांजा की छोटी पुड़िया 50 से 100 रुपये में बेचते थे, जबकि नशीले इंजेक्शन 100 रुपये प्रति नग के हिसाब से बेचे जाते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि सिद्धार्थ शर्मा बिना डॉक्टर की पर्ची के प्रतिबंधित इंजेक्शन कैसे उपलब्ध करा रहा था। मामले में सिद्धार्थ शर्मा और ऋषि सोनकर को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com